दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

वर्ष: 21, अंक: 83 ■ दमण, सोमवार 15 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

मत्स्य पालन और जलीय कृषि संभावनाओं को उजागर करने के लिए

लक्षद्वीप द्वीप समूह में पहली बार निवेशक सम्मेलन का हुआ आयोजन

■ ''भारत के ईईजेड में मत्स्य संसाधनों को अब भारतीय मूल के रूप में मान्यता दी जाएगी, जिससे मछुआरों को सशक्त बनाया जा सकेगा और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के द्वार खुलेंगे'': केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी के नीली क्रांति के विजन को साकार बनाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की और हितधारकों से लक्षद्वीप की पहली मत्स्य नीति तैयार करने में मदद के लिए क्षेत्रवार और नीतिगत सुझाव साझा करने का आग्रह किया ■ केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने अपने संबोधन में लक्षद्वीप की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला और वर्तमान 14,000 टन उत्पादन और 1 लाख टन की संभावित क्षमता के बीच के अंतर को खत्म करने की आवश्यकता पर जोर दिया ■ भारत को उत्पादन बढ़ाने, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को मजबूत करने और मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद बनाने के लिए अपने विशाल ईजे का उपयोग करना चाहिए: केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन

लक्षद्वीप, 14 दिसंबर (पीआईबी)।

भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय (एमओएफएएचडी) के मत्स्य विभाग ने लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के सहयोग से आज लक्षद्वीप के बंगाराम द्वीप में ''लक्षद्वीप द्वीप समूह के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसर'' विषय पर निवेशकों की बैठक का सफल आयोजन किया। द्वीप में आयोजित यह अपनी तरह की पहली निवेशक बैठक थी, जिसमें देश भर के विभिन्न निवेशकों ने भाग लिया। अब तक लगभग 519 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना व्यक्त की गई।

इस कार्यक्रम में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह; राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, मत्स्य पालन एवं विकास मंत्रालय और पंचायती राज; श्री जॉर्ज कुरियन, एमओएफएएच एंड डी और अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री और लक्षद्वीप के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे।

निवेशकों को बैठक के दौरान अपने अनुभव साझा करने और चुनौतियों को उजागर करने के लिए एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। निवेशकों ने मुख्य भूमि तक उत्पादन के परिवहन, शीत भंडारण की आवश्यकता, बर्फ संयंत्रों और कटाई के बाद प्रबंधन के लिए ठंडे मछली प्रबंधन केंद्रों के विकास सहित कई मुद्दों को रेखांकित किया। निवेशकों ने लगातार विकास को गति देने के लिए लक्षद्वीप के ईईजेड के रणनीतिक उपयोग हेतु साशिमी-ग्रेड टूना के लिए मूल्यवर्धन सुविधाओं, मछली तेल शोधन क्षमताओं, कुशल श्रमिकों की आवश्यकता और सजावटी मछली प्रजनन बैंकों की मांग की।

केंद्रीय मत्स्य पालन एवं जनसंपर्क मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने भाषण में कहा कि भारत सरकार ने विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के लिए मत्स्य पालन नियम जारी किए हैं, इसलिए भारत के ईईजेड में मछली पकड़ने वाले मछुआरे अब अधिकृत ₹एक्सेस पास₹ के साथ कानूनी रूप से मछली पकड़ सकते हैं, जिससे वे उच्च मूल्य वाली टूना और अन्य मछली उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार, भारत के ईईजेड में मौजूद मत्स्य संसाधनों को अब ''भारतीय मूल'' के रूप में मान्यता दी जाएगी, जिससे मछली उत्पादों के निर्यात में और अधिक सुविधा होगी।

उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ने 'खुले समुद्र में मछली पकड़ने के दिशानिर्देश' जारी किए हैं, जिनके तहत भारतीय ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों को इन जलक्षेत्रों में मछली पकड़ने का कानूनी अधिकार प्राप्त है। उन्होंने निवेशकों से आगे आकर द्वीपों में मौजूद विशाल निवेश अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया, जिनमें टूना जैसी उच्च मूल्य वाली प्रजातियों के लिए अपार संभावनाएं हैं, जिनकी वैश्विक स्तर पर काफी मांग है।

राज्य मंत्री, एफएएचडी एंड पीआर प्रो. एसपी सिंह बघेल ने अपने संबोधन में लक्षद्वीप की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला और वर्तमान 14,000 टन उत्पादन और 1 लाख टन की संभावित क्षमता के बीच के अंतर को खत्म करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये द्वीप पोल-एंड-लाइन और हैंडलाइन विधियों का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाली टूना मछली पकड़ने के लिए प्राकृतिक रूप से उपयुक्त हैं, जो अपनी स्वच्छ और टिकाऊ प्रथाओं के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। उचित ब्रांडिंग, प्रमाणन और आधुनिक मूल्य श्रृंखला विकास के साथ, लक्षद्वीप की टूना उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच सकती है। उन्होंने निर्यातकों से नए बाजारों की खोज करने और मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए मौजूदा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

राज्य मंत्री, एफएएचडी एंड एमए श्री जॉर्ज कुरियन ने समुद्री शैवाल की खेती और सजावटी मत्स्य पालन जैसे उभरते निवेश क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया, जो उच्च लाभ और विविधीकरण के अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लक्षद्वीप के लैगून समुद्री शैवाल की खेती के लिए आदर्श परिस्थितियां प्रदान करते हैं, और सजावटी मछली उद्यम हैचरी और ब्रूडस्टॉक विकास के माध्यम से वैश्विक एक्वेरियम व्यापार में अपना स्थान बना सकते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत को उत्पादन बढ़ाने, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को मजबूत करने और मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद बनाने के लिए अपने विशाल ईजे का उपयोग करना चाहिए, जिससे नीली अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया जा सके।

लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक श्री प्रफुल पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी के नीली क्रांति के विजन को साकार बनाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की और हितधारकों से लक्षद्वीप की पहली मत्स्य नीति तैयार करने में मदद के लिए क्षेत्रवार और नीतिगत सुझाव साझा करने का आग्रह किया। मिनिकॉय हवाई अड्डे के विकास और सहकारी समितियों को मजबूत करने जैसी आगामी पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री पटेल ने निवेशकों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और प्रगति में तेजी लाने के लिए दिल्ली में एक अनुवर्ती बैठक की योजना बनाई।

भारत सरकार के मत्स्य विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने अपने संबोधन में द्वीपों में मत्स्य पालन विकास को गति देने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया और निवेशकों के सुझावों पर उचित विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने लक्षद्वीप द्वीप समूह के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में व्यापार सुगम बनाने के लिए एकल-खिड़की प्रणाली के महत्व को भी रेखांकित किया।

भारत सरकार के मत्स्य विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने अपने संबोधन में मछली की उत्पत्ति, स्रोत और ट्रैकिंग को कवर करने वाले ट्रेसिबिलिटी फ्रेमवर्क को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसे राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बाजार संबंधों को मजबूत करने के लिए मूल्य श्रृंखलाओं को विकसित करने की आवश्यकता है और लक्षद्वीप प्रशासन से निवेशकों की सुविधा के लिए सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम को सुदृढ़ करने का आग्रह किया। उन्होंने इस क्षेत्र में जिम्मेदार विकास सुनिश्चित करने के लिए स्थिरता को ध्यान में रखते हुए मछली पकड़ने वाले जहाजों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर भी बल दिया। इन उपायों का उद्देश्य लक्षद्वीप की नीली अर्थव्यवस्था की अपार क्षमता को उजागर करना है, जिससे टिकाऊ, ट्रेस करने योग्य और निवेशक-अनुकूल विकास सुनिश्चित हो सके।

भारत सरकार के मत्स्य विभाग की संयुक्त सचिव (एमएफ) सुश्री नीतू कुमारी प्रसाद ने स्वागत भाषण दिया और लक्षद्वीप में क्षेत्रीय विकास के लिए प्रमुख पहलों को प्रस्तुत किया। उन्होंने मत्स्य पालन बेड़ों के आधुनिकीकरण, शीत श्रृंखला प्रणालियों को मजबूत करने और मत्स्य बंदरगाहों के विकास जैसे बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत नीतिगत हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये उपाय सामूहिक रूप से निजी भागीदारी के लिए अनुकूल और निवेशक-हितैषी वातावरण का निर्माण करते हैं। उन्होंने समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाते हुए, राष्ट्रीय मत्स्य पालन विभाग (एनसीडीसी) के साथ घनिष्ठ सहयोग से सहकारी समितियों को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

एनएफडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बिजय कुमार बेहरा ने अपने संबोधन में केज कल्चर लीजिंग नीति और सेल कल्चर तथा जैव सुरक्षा सहित समुद्री शैवाल की खेती के लिए प्रौद्योगिकी आधारित सुविधाओं की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने एफआईडीएफ और एनसीडीसी के तहत वित्तपोषण विकल्पों, ब्याज सब्सिडी लाभों पर प्रकाश डाला और निवेशकों को विभिन्न व्यावसायिक और उद्यमशीलता मॉडलों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया।

लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के मत्स्य सचिव श्री राजथिलक एस ने विस्तार से जानकारी दी और बताया कि पोल-एंड-लाइन मछली पकड़ने की प्रणाली को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत विधि के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने यह भी बताया कि मजबूत समुद्री कृषि निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक समुद्री पट्टा नीति विकसित की जा रही है। लक्षद्वीप के प्रशासक के सलाहकार डॉ. एस.बी. दीपक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और आशा व्यक्त की कि निवेशकों की यह ऐतिहासिक पहली बैठक अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की शुरुआत के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

निवेशक सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से 22 प्रमुख निवेशक एक साथ आए। इस सम्मेलन में हाइब्रिड मोड में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के मत्स्य विभाग, लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी, मत्स्य पालन मंत्रालय (एमओएफपीआई), एनसीडीसी, ईआईसी, एमपीईडीए, एनसीईएल, एफएसआई, सीआईएफटी, सीएमएफआरआई, एनएफडीबी इन्वेस्ट इंडिया जैसे संबंधित मंत्रालयों/एजेंसियों के अधिकारी और स्थानीय मछुआरा समितियों ने भाग लिया।

लक्षद्वीप में केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह सहित के महानुभावों ने सुंदर द्वीप की मुलाकात ली

लक्षद्वीप के बंगाराम द्वीप में ''लक्षद्वीप द्वीप समूह के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसर'' विषय पर निवेशकों की बैठक में भाग लेने आये केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह सहित के महानुभावों ने सुंदर द्वीप की मुलाकात ली। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने लक्षद्वीप के विभिन्न जलीय कृषि उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

गाजियाबाद में नकली दवाओं की फैक्ट्री, पूरे नॉर्थ इंडिया में होती थी सप्लाई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाओं के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गाजियाबाद के लोनी इलाके में चल रही एक अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस फैक्ट्री में स्किन से जुड़ी बीमारियों की नकली दवाएं बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही थीं, जिनकी सप्लाई दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में की जा रही थी। इस अवैध कारोबार के जरिए आम लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ किया जा रहा था। पुलिस को काफी समय से दिल्ली और आसपास के इलाकों में नकली दवाओं की बिक्री की सूचनाएं मिल रही थीं। इन इनपुट्स के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामले की गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस की टीम लोनी में संचालित फैक्ट्री तक पहुंची और वहां छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्किन रोगों में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में नकली दवाएं, कच्चा माल, दवा बनाने की मशीनें, लेबल, खाली पैकिंग सामग्री और नामी कंपनियों जैसी दिखने वाली दवाओं के पैकेट बरामद किए। जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में तैयार की जा रही नकली दवाओं को दिल्ली के सदर बाजार समेत कई बड़े दवा बाजारों में सप्लाई किया जाता था। इसके बाद पुलिस ने सदर बाजार में भी छापेमारी कर नकली दवाओं की एक बड़ी खेप जब्त की। जब्त किए गए माल की अनुमानित कीमत करीब 1.10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और इसके जरिए कई लोग मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी फैक्ट्री का मालिक बताया जा रहा है, जो नकली दवाओं का निर्माण करवा रहा था। दूसरा आरोपी इन दवाओं की सप्लाई और वितरण के नेटवर्क को संभालता था। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों, सप्लायरों और खरीदारों का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार नकली दवाएं बेहद खतरनाक होती हैं, क्योंकि इनमें न तो सही मात्रा में दवा होती है और न ही गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है। इससे मरीजों की बीमारी ठीक होने के बजाय और गंभीर हो सकती है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

जीत का जश्न मातम में बदला : पटाखे फटने से कार्यकर्ता की मौत

मलप्पुरम (एजेंसी)। केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत का जश्न मलप्पुरम जिले में एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। कोंडोटी इलाके में विजय उत्सव के दौरान पटाखों में हुए विस्फोट से एक यूडीएफ कार्यकर्ता की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इरशाद (40) के रूप में हुई है। वह कोंडोटी में अपने दोपहिया वाहन पर सवार होकर चुनावी जीत का जश्न मना रहा था और पटाखे फोड़ रहा था। इसी दौरान स्कूटर पर रखे भारी मात्रा में पटाखों पर अचानक चिंगारी गिर गई, जिससे जोरदार विस्फोट हो गया। कोंडोटी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट इतना तेज था कि स्कूटर में तुरंत आग लग गई। इरशाद गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

दानापुर में टेंट गोदाम में भीषण आग, बुलेट बाइक में धमाका : लाखों का सामान जलकर राख, 5 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

पटना (एजेंसी)। दानापुर इलाके में शनिवार देर रात एक टेंट गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का महौल बन गया। रूपसपुर थाना क्षेत्र के रुकनपुरा विजयनगर, लेन नंबर-6 स्थित महाराजा टेंट और इवेंट मैनेजमेंट के गोदाम में आग लगने के कारण गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोदाम के भीतर खड़ी एक बुलेट बाइक में अचानक आग लग गई। इसके कुछ ही क्षण बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे आग तेजी से फैल गई। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के रिहायशी इलाकों में दहशत फैल गई। लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए और इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आग की सूचना स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग और रूपसपुर थाना पुलिस को दी। सूचना पर दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा टेंट-पंडाल से जुड़ा सारा सामान, महंगे सोफा सेट, क्रॉकरी और अन्य इवेंट सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। आग के फैलाव की आशंका को देखते हुए स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की हिदायत दी और सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

पॉक्सो मामले में कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 20 साल की कठोर सजा, जुर्माना भी लगाया

गोपेश्वर (एजेंसी)। जनपद चमोली के गोपीश्वर स्थित विशेष सत्र न्यायालय (पॉक्सो) ने एक बहुचर्चित मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू को दोषी करार दिया। कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतने का भी प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू एवं अन्य आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा विचाराधीन था। मामले की सुनवाई विशेष सत्र न्यायाधीश, जिला चमोली (गोपीश्वर) की कोर्ट में हुई। न्यायालय ने साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और चिकित्सकीय प्रमाणों के आधार पर आरोपी राजेन्द्र सिंह को पॉक्सो के तहत दोषी पाया। वहीं, 302 एवं 201 के आरोपों में कोर्ट ने दोषमुक्त किया। बता दें 21 मई 2020 को उसकी पुत्री अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों द्वारा गांव, जंगल, नदी किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की गई, किंतु उसका कोई पता नहीं चला। 25 मई 2020 को गांव के समीप भड़कीयाधार जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ पीड़िता का शव मिला। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पीड़िता की उम्र घटना के समय 18 साल से कम थी। अभियोजन का यह भी आरोप था कि आरोपी राजेन्द्र ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई थी और बाद में उसे प्रताड़ित किया गया।

हमें तय करना होगा घर की दीवारों पर विवेकानंद की तस्वीर हो या जैक्सन की: भागवत

श्री विजय पुरम (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि हिंदुओ को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा। इसके लिए वैसा ही आचरण करना होगा। हम जहां रहते है वो हिंदू घर की तरह सजा होना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि घर की दीवारों पर स्वामी विवेकानंद की तस्वीर हो या माइकल जैक्सन की। भागवत ने ये बातें अंडमान के श्रीविजय पुरम में स्थित नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि हिंदू एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। बाकी दुनिया इसके उलट सोचती है। अगर हिंदू जागेंगे तो दुनिया जागेगी। दुनिया मानती है कि भारत ही रास्ता दिखाएगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय हमें समाधान खोजने चाहिए। किसी भी काम को पूरा करने के लिए शक्ति की जरुरत होती है और शक्ति केवल एकता से आती है। दुनिया सत्य को नहीं शक्ति को देखती है। जिसके पास शक्ति है उसी की बात मानी जाती है। एक मजबूत समाज बनाने और राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकता जरुरी है। इसके साथ ही भागवत ने टकराव से बचने की भी सलाह दी।

भागवत ने भगवान कृष्ण और जंगल में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कहानी सुनाते हुए कहा कि अर्जुन और सात्यकि ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार से वह और बड़ा होता गया। कृष्ण ने हस्तक्षेप किया, टकराव से बचाया और बिना लड़ाई के उसे वश में करने के लिए समझदारी का इस्तेमाल किया। सबक यह है कि हर समस्या के लिए बल की जरुरत नहीं होती। समाधान स्थिति को समझने पर निर्भर करते हैं। हम परिवार के साथ घूमने जाते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आप पेरिस, सिंगापुर जाओ। दुनिया घूमने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन कभी-कभी श्री विजयपुरम भी जाओ, वहां सेल्यूलर जेल देखो। लोगों ने यहां जेल में अपनी जिंदगी बिताई है। वे झुके नहीं, वे टूटे नहीं। उन्होंने आजाद भारत देखा।

बता दें तीन दिन का अंडमान दौरा पूरा आरएसएस सरसंघचालक के रूप में भागवत का केंद्र शासित प्रदेश का यह पहला दौरा था। करीब दो दशक पहले, वह संगठन के सरकार्यवाह के रूप में द्वीप समूह का दौरा कर चुके थे। वह तीन दिन के लिए यहां पहुंचे थे। यह दौरा 11-13 दिसंबर तक का था।

केरल की जनता के भरोसे से आगामी चुनावों के लिए नई ताकत और आत्मविश्वास मिला : प्रियंका

नई दिल्ली। केरल की वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने कहा है कि राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम एक ऐसी सरकार के लिए लोगों की उम्मीदों को दर्शाते हैं जो उनके संघर्षों को समझे और ईमानदारी से उनका जवाब दे। साथ ही उन्होंने केरल की यूडीएफ सरकार पर भरोसा जताने के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद दिया है। प्रियंका गांधी ने

फेसबुक पोस्ट में कहा कि केरल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने, उनकी आवाज को ध्यान से सुनने और ईमानदार, संवेदनशील और जनहितैषी शासन के लिए हर दिन काम करने की उनकी पार्टी की प्रतिबद्धता ''स्पष्ट और हृदय से महसूस की जाने वाली'' थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे महज एक राजनीतिक परिणाम से कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसी सरकार के लिए जनता की उम्मीदों को दर्शाते हैं जो उनकी समस्याओं को समझती है और ईमानदारी से उनका समाधान करती है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर भरोसा जताने के लिए केरल की जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके जनादेश से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मोर्चे को नई ताकत और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को मेरी हार्दिक बधाई और प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता, जिनके अथक समर्पण ने इस जीत को संभव बनाया।

दिल्ली में खतरनाक वायु प्रदूषण यह सब अमीरों के चोचले हैं: बाबा रामदेव

-घर के अंदर बैठिए अनुलोम-विमोम करिए, मास्क पहनने की दी सलाह

नई दिली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर में खतरनाक स्तर के प्रदूषण को लेकर योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि यह सब अमीरों के चोचले हैं। उन्होंने प्रदूषण से खुद को बचाने के व्यायाम भी बताए। एक टीवी चैनल से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा देखिए, जब देश विकास कर रहा है तो कुछ धूल तो उड़ेगी ही। उन्होंने कहा कि कभी-कभी दिल्ली गैस चैंबर बन जाती है। ऐसे में आप लोगों को अपने घरों में पर्दा डालकर रखना चाहिए। 15-20 दिन में एक बार उन्हें साफ कर लीजिए और मास्क पहनकर रखिए। उन्होंने कहा कि घर के अंदर बैठिए और अनुलोम-विमोम करिए, कपालभाति करिए। एयर प्यूरिफायर के बारे में सवाल करने पर उन्होंने कहा कि यह सब केवल अमीरों के चोचले हैं।

बता दें राजधानी दिल्ली में गंभीर श्रेणी के वायु प्रदूषण के बीच एक बार फिर ग्रैप-3 लागू कर दिया गया है। ऐसे में 50 फीसदी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के मोड से काम करने और स्कूलों को हाइब्रिड मोड पर चलाने का आदेश दिया गया है। दिल्ली के प्रदूषण को देखते हुए कार्डियोलॉजिस्ट ने लोगों को कई सुझाव दिए थे। उनमें से एक एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करना भी था। उन्होंने कहा था कि बाहर निकलने पर लोग एन-95 मास्क का इस्तेमाल करें। इसके अलावा घरों के अंदर इंडोर प्लांट्स लगाएं और एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा बच्चों और बुजुर्गों को घर में रखने की सलाह दी गई थी। 13 दिसंबर के परिपत्र के मुताबिक शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी, एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को अगले आदेश तक जहां भी संभव हो, ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार की कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि शनिवार को इस साल की अब तक की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई जो 11 नवंबर को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम स्तर 428 को भी पार कर गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक 24 घंटे का एक्यूआई 431 रहा।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण का दावा, 19 दिसंबर को सत्ता में होगा बदलाव, एक मराठी व्यक्ति बनेगा प्रधानमंत्री

पुणे, (एजेंसी)। देश की राजनीति में एक बड़े उलटफेर की संभावना व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने एक सनसनीखेज भविष्यवाणी की है। पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा करते हुए पत्रकारों से कहा कि, 19 दिसंबर को देश में अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक भूकंप आएगा। भारत का प्रधानमंत्री बदलेगा और वह प्रधानमंत्री एक मराठी व्यक्ति होगा। खास बात यह है कि उन्होंने यह भी इशारा किया है कि यह व्यक्ति भाजपा से हो सकता है। दरअसल पुणे से सटे पिंपरी-चिंचवड़ में जनगणमन किताब के विमोचन के बाद मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज चव्हाण ने यह सनसनीखेज भविष्यवाणी की। उन्होंने अपने दावे के लिए इंटरनेशनल डेवलपमेंट का हवाला दिया है। चव्हाण ने कहा कि दुनिया भर में जो कुछ भी हो रहा है, उसका असर भारतीय राजनीति पर

भी पड़ेगा। इस मौके पर उन्होंने अमेरिका के एक अहम मामले का जिक्र किया। चव्हाण ने कहा कि वहां कई बड़े नेताओं के बंगलों में कैमरे लगाकर बड़े पैमाने पर स्टिंग ऑपरेशन किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस स्टिंग ऑपरेशन से कई असरदार लोगों के गंभीर मामले सामने आने की संभावना है, जिससे अमेरिका में बड़ा राजनीतिक और सामाजिक हंगामा हो सकता है। दावा किया गया है कि इस स्टिंग ऑपरेशन को करने वाला व्यक्ति एक इजरायली जासूस है। पृथ्वीराज चव्हाण के मुताबिक, अमेरिकी सरकार जल्द ही एक कानून बनाकर 19 दिसंबर को इस स्टिंग ऑपरेशन में पकड़े गए बड़े लोगों के नामों की घोषणा कर सकती है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके पास इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है कि इस सूची में किन लोगों के नाम होंगे। हालांकि, उन्होंने संभावना जताई कि इन घटनाक्रमों के नतीजे सिर्फ अमेरिका तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भारत समेत कई देशों में इसके असर हो सकते हैं। बहरहाल पृथ्वीराज चव्हाण का यह दावा कि भारत में भी बड़े राजनीतिक बदलाव हो सकते हैं, और इस वजह से प्रधानमंत्री पद में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है, और अब सबका ध्यान 19 दिसंबर पर है।

देशभर में अगले हफ्ते से कड़ाके की सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते से देशभर में कड़ाके की सर्दी पडने के आसार हैं। इस सर्दी का पहला बड़ा पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) 17 दिसंबर को हिमालयी राज्यों में पहुंचेगा। इसके असर से 18 से 20 दिसंबर के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में अच्छी बर्फबारी होने की संभावना है। 21 और 22 दिसंबर को पहाड़ों से बादल हटते ही तापमान तेजी से गिरेगा। तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री तक नीचे जा सकता है। उत्तर से चलने वाली ठंडी हवाएं यूपी, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और मध्य भारत तक पहुंचेंगी। इससे मैदानी इलाकों में ठंड काफी बढ़ जाएगी। इधर, राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते सर्दी का असर कम हो गया है। न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में भी अगले 3 दिन तक शीतलहर का अलर्ट नहीं है। हालांकि, पारा लगातार लुढ़क रहा है। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा है। यहां शनिवार रात पारा 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। उधर, हिमाचल प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने से ठंड बढ़ गई है। आज पहाड़ों पर बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना जताई है, जिससे पारा 2-3एष्ट और गिर सकता है।

हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध: सीएम सुक्खू

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्कूली शिक्षा से जुड़ा एक अहम फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से छात्रों का ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित होगा और अनुशासन में सुधार आएगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध केवल विद्यार्थियों पर लागू होगा। शिक्षकों को अपने मोबाइल फोन स्टाफ रूम में रखने या बैग में रखने की अनुमति दी जाएगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे संपर्क में रह सकें। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन के अत्याधिक उपयोग से बच्चों में एकाग्रता की कमी, अनुशासनहीनता और पढ़ाई से ध्यान

भटकने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जिन्हें नियंत्रित करना जरूरी है। यह घोषणा मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा निदेशालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के उद्घाटन के अवसर पर की। इस दौरान उन्होंने विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके), शिक्षा गैलरी, कार्यक्रम प्रबंधन स्टूडियो, सम्मेलन क्षेत्र, नया सम्मेलन कक्ष और आधुनिक केंद्रीय ताप प्रणाली का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नई सुविधाएं शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कामकाज को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाएंगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से शिक्षा से जुड़े आंकड़ों का बेहतर विश्लेषण किया जा सकेगा, जिससे नीतिगत फैसले अधिक सटीक होंगे। वहीं, शिक्षा गैलरी और कार्यक्रम प्रबंधन स्टूडियो से शिक्षकों और अधिकारियों को प्रशिक्षण और संवाद के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इसे हिमाचल प्रदेश में डिजिटल शिक्षा प्रशासन के एक नए युग की शुरुआत बताया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस दौरान कई निर्णायक सुधार लागू किए गए हैं, जिनका सकारात्मक असर अब दिखने लगा है। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता के आकलन के आधार पर हिमाचल प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति की है और अपनी रैंकिंग को 21वें स्थान से सुधार कर 5वें स्थान तक पहुंचाया है।

झारखंड में बड़े तो बड़े, बच्चे भी साइबर अपराध में आजमा रहे हाथ

-महाराष्ट्र में हुई 70 लाख की ठगी में नाबालिग निकला आरोपी, पुलिस कर रही तलाश

जामताड़ा (एजेंसी)। साइबर अपराध के लिए झारखंड का जामताड़ा जिला पूरे देश में बदनाम है। यहां बड़े तो बड़े, बच्चे भी साइबर अपराध में हाथ आजमा रहे हैं। महाराष्ट्र के अमरावती जिले की पुलिस शनिवार को 70,06,047 रुपए की ठगी के मामले में जामताड़ा पहुंची। पुलिस साइबर ठग को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी, क्योंकि लाखों की ठगी की वारदात को अंजाम देने वाला 16 साल का किशोर था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की तैयारी कर वापस लौट गई। बताया जा रहा है कि इस नाबालिग ठग ने महाराष्ट्र के अमरावती जिले के कई लोगों

से ठगी की है और ठगी की रकम 900 से ज्यादा खातों में ट्रांसफर की गई है। इनमें कई बैंक खाते ऐसे हैं, जिनसे ऑनलाइन खरीदारी के लिए पैसों का लेनदेन किया गया है। आरोपित किशोर जामताड़ा शहरी क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह किशोर साइबर ठगी में शामिल एक गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर लोगों को शेयर मार्केट में भारी मुनाफे का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी का शिकार बना रहा था। इस गिरोह में कई अन्य शातिर अपराधी भी शामिल हैं और इन्हीं इनपुट के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस जामताड़ा में जांच में जुटी है।

वहीं, दूसरी ओर एक अन्य मामले में जामताड़ा साइबर थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक ठग को दबोचा है। आरोपित कृष्णकुंज का निवासी बासुदेव दास है। वह मूल रूप से सुगापहाड़ी का रहने वाला है। उसके पास से छापेमारी में पुलिस ने दस मोबाइल, आठ सिम कार्ड, 15 एटीएम कार्ड, दस चेकबुक, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और एक वोटर कार्ड जब्त की है। आरोप है कि आरोपी लोगों को एक्सिस बैंक एवं अन्य बैंकों के केवाईसी अपडेट और नवीनीकरण के नाम पर उनके मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड करवाता था और इसके जरिए गोपनीय जानकारी हासिल कर उन्हें ठगी का शिकार बनाता था। शातिर के निशाने पर इन दिनों झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग थे।

कांग्रेस विधायक का दावा: कहा- फलां-फलां तारीख को डीके लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पहले दिल्ली में शांत कराई गई थी, लेकिन अब फिर से सियासी पारा चढ़ता दिख रहा है। हाल ही में एक कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने भविष्यवाणी की है, कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 6 या 9 जनवरी को मुख्यमंत्री बन जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इसी तारीख के आसपास सिद्धारमैया दिवंगत नेता डी देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़कर कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बन जाएंगे।

विधायक हुसैन डीके शिवकुमार के मजबूत समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 99 प्रतिशत संभावना है कि शिवकुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। तारीख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने इसे एक यादृच्छिक संख्या बताया और कहा कि हर कोई यही चर्चा कर रहा है। यह 6 जनवरी या 9 जनवरी हो सकती है। रामनगर से विधायक हुसैन ने यह भी मांग की कि शिवकुमार को मौका देने के लिए सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने खुले तौर पर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की वकालत की और एक दिन पहले भी अपनी यह इच्छा सार्वजनिक रूप से जाहिर की थी।

इस बीच, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और भाजपा सांसद वी सोमन्ना ने गृह मंत्री जी परमेश्वर को मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन देने की बात कही। तुमकुरु में एक कार्यक्रम के दौरान सोमन्ना ने कहा कि सत्ता मिलना किस्मत की बात है। उन्होंने परमेश्वर की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी इच्छा है कि वे मुख्यमंत्री बनें और यह तुमकुरु के लोगों की भी भावना है। जब डीके शिवकुमार का नाम लिया गया, जो खुद एक मजबूत दावेदार हैं, तो सोमन्ना ने कहा कि यह अलग बात है और शिवकुमार का भविष्य उनकी किस्मत पर निर्भर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आचरण किस्मत से भी बड़ा होता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मिलने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पर चर्चा होगी। यह मुलाकात नई दिल्ली में कांग्रेस की एक बड़ी रैली के बाद होगी। इस रैली का उद्देश्य सत्ता पक्ष पर आरोप लगाना था।

कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास लगभग 140 विधायक हैं, जो बहुमत देते हैं। नवंबर में सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा होने के बाद से नेतृत्व बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबरें हैं कि नई पीढ़ी को मौका देने के लिए मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के लिए बांटने का एक संभावित समझौता हुआ है। हालांकि, न तो पार्टी और न ही किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर ऐसे किसी समझौते की पुष्टि की है। शिवकुमार ने कुछ समय पहले बिना विवरण दिए एक गुप्त समझौते का जिक्र किया था।

वर्तमान में 63 वर्षीय शिवकुमार ने 77 वर्षीय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कोई खुला कदम नहीं उठाया है। फिर भी, पार्टी के अंदर गुटबाजी और दबाव की स्थिति बनी हुई है। विधायक हुसैन जैसे समर्थक खुले तौर पर शिवकुमार की दावेदारी मजबूत कर रहे हैं, जबकि सिद्धारमैया अपने कार्यकाल को पूरा करने

और रिकॉर्ड बनाने पर फोकस कर रहे हैं। यह स्थिति कर्नाटक कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि एकजुटता दिखाना जरूरी है, लेकिन अंदरूनी कलह पार्टी की छवि को प्रभावित कर सकती है। आने वाले दिनों में दिल्ली की बैठक और पार्टी हाईकमान के फैसले पर सभी की नजरें टिकी हैं। क्या नेतृत्व बदलाव होगा या सिद्धारमैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, यह जल्द ही स्पष्ट हो सकता है। राज्य की राजनीति में यह घमासान आगे और तेज होने की संभावना है।

ISIS आतंकी फंडिंग मामले में ED की बड़ी कार्रवाई, चार राज्यों में छापा : 9.70 करोड़ की नकदी और सोना जप्त

■ ED ने मुंबई के पाडघा-बोरीवली इलाके से लेकर दिल्ली, कोलकाता, हजारीबाग, प्रयागराज, दमण और रत्नागिरी 40 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया ■ लकड़ी की अवैध तस्करी से आतंकी फंडिंग? ED का चौंकाने वाला खुलासा, खैर कटाई के पैसों से चल रहा था ISIS का नेटवर्क

मुंबई 14 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने ISIS से जुड़े कट्टरपंथी मॉड्यूल पर बड़ी कार्रवाई की है. देश के 40 ठिकानों पर छापेमारी कर 9.70 करोड़ रुपए नकद, सोना और आपत्तिजनक दस्तावेज जप्त किए गए हैं, ED ने 25 बैंक खाते भी फ्रीज किए हैं। यह कार्रवाई NIA की FIR पर आधारित है, जिसमें मॉड्यूल पर टेरर फंडिंग, भर्ती और अवैध 'खैर' लकड़ी तस्करी से कमाई का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की मुंबई जोनल टीम ने आतंक से जुड़े एक बड़े नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। यह कार्रवाई ISIS से जुड़े अत्यधिक कट्टरपंथी मॉड्यूल से जुड़े साकिब नाचन और अन्य आरोपियों के मामले में की गई। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत देश के कई राज्यों में एक साथ छापेमारी की गई। ED ने मुंबई के पाडघा-बोरीवली इलाके के अलावा दिल्ली, कोलकाता, हजारीबाग, प्रयागराज, दमन और रत्नागिरी समेत कुल 40 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान करीब 9.70 करोड़ रुपए की चल संपत्ति बरामद की गई, जिसमें लगभग 3.70 करोड़ रुपए नकद और करीब 6 करोड़ रुपए की सोने की ज्वेलरी और बुलियन शामिल है। इसके अलावा आरोपियों और संदिग्धों से जुड़े 25 बैंक खातों को फ्रीज किया गया है। छापेमारी के दौरान ED को कई आपत्तिजनक दस्तावेज, कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाला साहित्य, डिजिटल डिवाइस और अन्य सबूत भी मिले हैं।

ED ने शुरू की थी मनी लॉन्ड्रिंग जांच

ED ने यह मनी लॉन्ड्रिंग जांच NIA द्वारा दर्ज FIR और चार्जशीट के आधार पर शुरू की थी. यह मामला NIA द्वारा दर्ज एक FIR जुड़ा है, जिसमें IPC, UAPA और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी ISIS से जुड़े एक कट्टरपंथी मॉड्यूल का हिस्सा थे और भर्ती, ट्रेनिंग, हथियार और विस्फोटक जुटाने के साथ-साथ आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग में शामिल थे। जांच के दौरान मुंबई ATS से मिले खुफिया इनपुट में यह भी पता चला कि यह मॉड्यूल अवैध कमाई के कामों में शामिल था. खास तौर पर खैर (कैथ) लकड़ी की अवैध कटाई, तस्करी और बिक्री से होने वाली कमाई को आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जा रहा था।

बैंकिंग लेन-देन और हवाला नेटवर्क का खुलासा

ED की वित्तीय जांच में आरोपियों और उनके सहयोगियों के बीच बैंकिंग लेन-देन और हवाला नेटवर्क के संकेत भी मिले हैं। इसी वजह से आरोपियों, उनके परिवार वालों, करीबी साथियों और संदिग्ध लेन-देन से जुड़े लोगों के ठिकानों को भी तलाशी के दायरे में लिया गया। इसके अलावा ED ने उन कंपनियों और इकाइयों पर भी कार्रवाई की जो कत्था उत्पादन से जुड़ी हैं और जिन पर आरोप है कि वे आरोपियों से अवैध रूप से खैर लकड़ी खरीद रही थीं। छापेमारी के दौरान संदिग्ध खैर लकड़ी भी मिली, जिसे लेकर संबंधित वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। ED का कहना है कि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस पूरे नेटवर्क से जुड़े और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सिडनी में गोलीबारी का पाकिस्तान कनेक्शन! PAK आतंकी ने मचाया कत्लेआम

सिडनी 14 दिसंबर। सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में 11 लोग मारे गए और 29 घायल हुए। अधिकारियों ने इसे हनुक्का के पहले दिन यहूदी समुदाय को निशाना बनाने वाला टेररिस्ट अटैक बताया है। हमले का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है। कथित शूटर नवीद अकरम की पहचान हुई है, जो लाहौर, पाकिस्तान का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी में कम से कम 11 लोग मारे गए और 29 घायल हो गए, जिनमें दो पुलिस ऑफिसर भी शामिल हैं। एक आदमी जो शूटर में से एक माना जा रहा है, वह भी मारा गया है, जबकि दूसरे कथित शूटर की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने इस शूटिंग को टेररिस्ट घटना बताया है, और कहा है कि इसे हनुक्का के पहले दिन सिडनी के यहूदी समुदाय को टारगेट करने के लिए बनाया गया था। दूसरी ओर, सिडनी के आतंकी हमले में पाकिस्तान का कनेक्शन सामने आया है। एक सीनियर लॉ एनफोर्समेंट अधिकारी के मुताबिक, बॉन्डी बीच पर कथित शूटरों में से एक की पहचान सिडनी के बॉनीरिग के नवीद अकरम के तौर पर हुई है, वह पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला है। चल रही जांच के तहत पुलिस ने रविवार शाम को 24 साल के नवीद अकरम के घर पर छापा मारा। **जानें कौन है नवीद अकरम** सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 24 साल का नवीद अकरम असल में लाहौर, पाकिस्तान का रहने वाला है और सिडनी के अल-मुराद इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट था। ऑनलाइन सर्कुलेट हो रही लाइसेंस फोटो में वह पाकिस्तान क्रिकेट जर्सी पहने दिख रहा है। अथॉरिटीज ने कहा कि इसमें शामिल दो गनमैन में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वे जांच कर रहे हैं कि क्या कोई तीसरा गनमैन या कोई साथी शामिल था? ये भी पढ़ें- सिडनी में गोलियों की तड़तड़ाहट के बीच शख्स की बहादुरी, हमलावर से बंदूक छीन उसी पर दी तान; सामने आया VIDEO वायरल वीडियो में कहा जा रहा है कि नवीद अकरम हमलावर था जिसके हथियार नहीं थे, हालांकि उसने मौके से भागने के बाद और गोलियां चलाईं। पुलिस ने कहा, एक रेस्क्यू बम डिस्पोजल यूनिट अभी गाड़ी पर काम कर रही है। बॉन्डी के कैंपबेल परेड में एक गाड़ी में कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस मिले।

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने माना- यह टेरर अटैक कमिश्नर लैन्यन ने कहा,''हथियारों के टाइपङ्क कुछ और चीजें जो हमें मौके पर मिलीं, जैसा कि मैंने कहा, हमें एक कार में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस मिला है जो मरे हुए अपराधी से जुड़ा है''। उन्होंने इस घटना को ऑफिशियली ''टेररिस्ट अटैक'' घोषित किया। ठरह पुलिस कमिश्नर माल लैन्योन ने सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर बात करते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''यह बदला लेने का समय नहीं है, यह पुलिस को अपना काम करने देने का समय है.'' उन्होंने आगे कहा कि संदिग्धों में से एक को ''पुलिस के बारे में बहुत, बहुत कम जानकारी है, इसलिए वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जिस पर हम इस समय नजर रख रहे होते। बता दें कि यह हमला लोकल टाइम के हिसाब से शाम करीब 6:30 बजे हुआ, जिसमें आठ दिन के यहूदी त्यौहार हनुक्का की पहली रात मना रही भीड़ को निशाना बनाया गया। लैन्योन ने कहा कि कम से कम 11 लोग मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए, जिनमें एक बच्चा और दो पुलिस अधिकारी शामिल हैं, दोनों की हालत ''गंभीर, लगभग क्रिटिकल'' है और उनकी सर्जरी हो रही है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM EMARTI DEVI TO **NEW NAME IMARATI DEVI** AS PER MY DOCUMENTS.

दानह स्काउट गाइड की महिला क्रिकेट लीग में 16 टीमों ने लिया हिस्सा

■ दानह उपसमाहर्ता अमित कुमार द्वारा ट्रॉफी का अनावरण नगरपालिका मुख्य अधिकारी संग्राम सिंधे ने दी सभी टीमों को शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। दानह स्काउट गाइड के महिला क्रिकेट लीग में 16 टीमें ने हिस्सा लिया। खेल मंत्रालय एवं युवा मामले के आदेशानुसार महिला शासक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु सिलवासा नगरपालिका मुख्य अधिकारी संग्राम सिंधे के सहयोग से दानह दीव स्काउट गाइड फेलोशिप द्वारा पांच दिवसीय महिला क्रिकेट लीग की शुरुआत सिलवासा स्टेडियम ग्राउंड में दानह उपसमाहर्ता अमित कुमार द्वारा प्रतियोगिता ट्रॉफी का अनावरण किया गया। जिसमें उपाध्यक्ष यास्मीन बबूल, स्तुति गर्ग एवं रफीक मेनन, वापी रिद्धि सिद्धि टूर्स एंड ट्रेवल्स के सपोर्टस प्रशांत कोटक इसमें कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें दमण कैपिटल, सिलवासा सुपर क्वीन, नमो मेडिकल, नमो वॉरियर्स, नमो नर्सिंग, नमो नाइटेंगल्स, नमो एलाइड, डांग राइडर्स, डार्क एंजिल्स, डीएनएच वॉरियर्स, लायोनाइट्स, समग्र स्ट्राइकर्स, लेडी वॉरियर्स, फ्रेंड्स इलेवन, जीएसबीसीए टीमों ने हिस्सा लिया था। जिसमें नमो की कुल पांच टीमों के साथ सूरत, अहमदाबाद, डांग सिलवासा एवं दमण मुख्य रही इसमें गुजरात सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएसन के सचिव अकरम खान उपस्थित रहे। इस टूर्नामेंट में महिलाओं का उत्साह मनोबल बढ़ाने एवं खेल के प्रति जागरूकता के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज मकबूल सूर्या है। एप्लाइसेस की ओर से एलईडी स्मार्ट टीवी, सर्वश्रेष्ठ रन बनाने वाले महिला खिलाड़ी को रियाज सरवैया बॉम्बे साइकिल स्टोर की ओर से साइकिल एवं मुख्य रूप से धवल अरविंद पटेल वलसाड जिला द्वारा महिला खिलाड़ियों को इनामों की भरमार से साथ विजेता एवं उपविजेता को चमचमाती ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, गेंदबाज, क्षेत्ररक्षण, कैच एवं सभी 27 प्लेयर ऑफ द मैच महिला खिलाड़ियों को ट्रॉफी भेंट की जाएगी।

वापी में 340 निरंकारी भक्तों ने उत्साहपूर्ण किया रक्तदान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 14 दिसंबर। मानवता की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए संत निरंकारी मिशन ने रविवार 14 दिसम्बर को वापी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें निरंकारी मिशन की वापी ब्रांचों के भक्तों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में सुबह 10:00 बजे से आयोजित इस शिविर में कुल 340 निरंकारी भक्तों द्वारा रक्तदान किया गया। जिसका संकलन जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और वलसाड रक्तदान केन्द्र ने किया। शिविर का शुभारंभ दक्षिण गुजरात के प्रभारी ओंकार सिंह की मुख्य उपस्थिति में निरंकार परमात्मा के ध्यान और प्रार्थना से किया गया। इस अवसर पर वापी सेक्टर संयोजक, उमरगाँव सेक्टर संयोजक, सोश्यल वेल्फेर को-ऑर्डिनेटर एवं अन्य ब्रांचो के मुखी भी उपस्थित थे। रक्तदान शिविर के साथ सत्संग का भी आयोजन किया गया जिसमें दक्षिण गुजरात के प्रभारी ने कहा कि रक्तदान एक महत्वपूर्ण और जीवनदायी कार्य है जो कई लोगों की जान बचाने में मदद करता है। संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन जैसे संगठन इस तरह के आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और लोगों को रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं। यह रक्तदान शिविर सेवादल स्वयं-सेवकों तथा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा प्रभावी रूप से संचालित किया गया। ऐसे मानवतावादी प्रयासों के माध्यम से संत निरंकारी मिशन यह संदेश निरंतर प्रसारित करता रहता है कि रक्तदान केवल जिम्मेदारी नहीं यह जीवन बचाने वाली निस्वार्थ भक्ति का प्रतीक है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का सांविधिक निकाय)
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली–110070
फोन नंबर: 011–29581000/1050 वेबसाइट: www.aicte.gov.in

सार्वजनिक सूचना

विषय: किसी संस्थान के अभातशिप द्वारा अनुमोदन की स्थिति का सत्यापन ।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप), भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक संवैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना संसद के एक अधिनियम (1987 का अधिनियम 52) द्वारा की गई थी। सभी संस्थानों के लिए कोई भी तकनीकी कार्यक्रम संचालित करने से पूर्व अभातशिप से पूर्व-अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य है।

यह देखा गया है कि अभिभावकों, छात्रों और अन्य हितधारकों को अक्सर संस्थानों की अभातशिप द्वारा प्रदान किए गए अनुमोदन, की स्थिति की पुष्टि करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, हितधारकों को सलाह दी जाती है कि वे सीधे अभातशिप की वेबसाइट www.aicte.gov.in के माध्यम से संस्थान के अनुमोदन की स्थिति के विवरण का सत्यापन करें।

यह भी स्पष्ट किया जाता है कि अभातशिप अधिनियम, 1987 के अनुसार, और भारतीदासन विश्वविद्यालय बनाम अभातशिप मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 24 सितंबर, 2001 के निर्णय के अनुसार, विश्वविद्यालयों को तकनीकी कार्यक्रम संचालित करने के लिए अभातशिप का पूर्व-अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। तथापि, विश्वविद्यालयों से संबद्धता प्राप्त तकनीकी संस्थानों, मानित विश्वविद्यालय संस्थानों और पीजीडीएम कार्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों द्वारा यह अनुमोदन प्राप्त किया जाना अपेक्षित है।

अभातशिप द्वारा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर गैर-अनुमोदित संस्थानों की एक सूची तैयार की गई है जो अभातशिप की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जिन संस्थानों को गैर-अनुमोदित पाठ्यक्रम संचालित करते हुए पाया जाता है, उन्हें नियमित रूप से सार्वजनिक सूचना और व्यक्तिगत संचार के माध्यम से संबंधित राज्य सरकारों को सूचित करते हुए, यह निदेश दिया जाता है कि वे या तो अभातशिप से अनुमोदन प्राप्त करें अथवा ऐसे कार्यक्रम का संचालन बंद कर दें। राज्य सरकारों को ऐसे दोषी संस्थानों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की भी सलाह दी जाती है। विस्तृत सार्वजनिक सूचना के लिए कृपया अभातशिप की वेबसाइट www.aicte.gov.in देखें।

यह सार्वजनिक सूचना जन-साधारण एवं सभी हितधारकों के हित में उनकी जानकारी के लिए जारी की जा रही है।

विज्ञापन संख्या:
विनियमन ब्यूरो/अभातशिप/ 12 (01)/2025

(प्रो. श्यामा रथ)
सदस्य सचिव

cbc21300/12/0011/2526

नैतिकता के पक्षधर थे-सरदार वल्लभ भाई पटेल

मुकेश तिवारी

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे ,जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया ।जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे ,जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया ।जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद,नाडियाद ग्राम में हुआ था, इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था ।झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के रहने वाले थे और खेती किसानी किया करते थे। ,बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी, वल्लभभाई का बचपन माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद वह बड़ौदा से पूर्ण की ।

वल्लभभाई का बाल्यकाल माता -पिता के साथ गांव में ही बीता , गांव में ही इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा इन्होने नडियाद व बडौदा से पूरी की।

वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी,संयमी और साहसी पुरुष थे,1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन साल तक घर से बाहर रहे।वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए, उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया, पिता के संयम,साहस,वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे।वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया,उनकी दृढ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का सम्मान प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया, वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी, उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा, इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे, वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विधालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया,यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का व्यापार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों को बाध्य करते थे, बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी, पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया, अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा,यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था, अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी, बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया,यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे,मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पत थे,

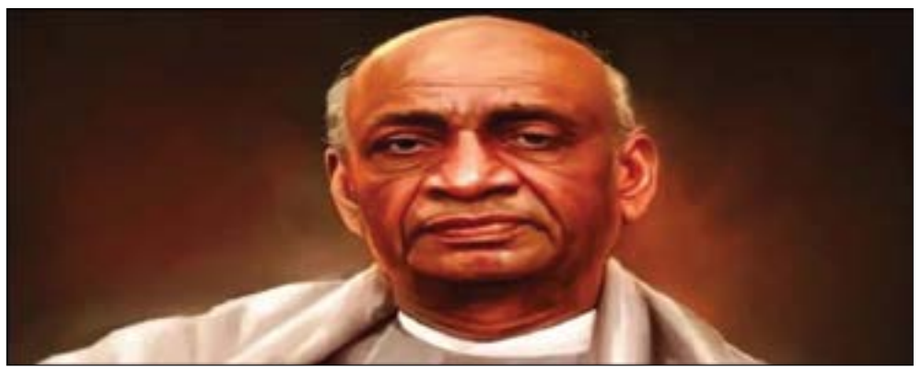

हालांकि संस्कृत नं पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद नहीं करते थे, पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः वे उनसे नाराज रहने लगे थे।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका, अल्प समय बाद ही एक अन्य अध्यापक से उनका विवाद हो गया अतः, पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया, पटेल पुन नाडियाद आ गए, सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में हिंदुस्तान को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्व हुई। वैसे भी सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि एकता के बिना जनशकित तब तक एक ताकत नहीं बन सकती ,जब तक उसे एकजुट कर सामंजस्य में न लाया जाये, तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है, पटेल जी के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था,वे सदैव स्वतंत्र भाव से नैतिकता की रक्षा करते रहे, अपनी कबलियत, व्यवहार, वाक चातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था, अपने इन्हीं गुणों के कारण गोधरा में वकालत करते वक्त ही उन्होंने खूब ख्याल अजिर्त कि वह हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्कों से सदैव प्रभावी बने रहते तथा लगभग प्रत्येक मामले में जीतते थे ।

जुलाई 1917 में बल्लभ भाई गुजरात क्लब के सेक्रेटरी चुने गए इन दिनों गांधीजी बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती के अंग्रेज ठेकेदारों और जमीदारों द्वारा शोषित कृषकों के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे थे ,उनके इस कार्य का देशव्यापी प्रभाव पड़ रहा था, गांधी जी ने मोतिहारी में चंपारण के चले जाने संबंधी मजिस्ट्रेट का आदेश मानने से दो टूक शब्दों में मना कर दिया और अपना काम जारी रखा, उन पर मुकदमा चला और इस मुकदमे में गांधीजी के बयान से देश भर में हड़कंप मच गया।

वल्लभ भाई व उनके मित्रों ने यह बयान समाचार पत्र में पढ़ा तथा गांधी जी के साहस से काफी प्रभावित हुए, इस घटना के पश्चात गांधीजी के प्रति वल्लभभाई के जहन में आदर भाव बढ़ा, जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्ध हुआ, वल्लभभाई 19 15 से ही गुजरात सभा के सदस्य थे,इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें अनेक कद्दावर नेता सम्मिलित हुए तथा प्रायः सभी ने हिंदी व गुजराती में भाषण दिया, यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया, इस सम्मेलन में किसी ने भी अंग्रेजी में भाषण नहीं दिया,साथ ही ब्रिटिश ताज के प्रति वफादारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया, अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली मर्तबा हुआ था ,इस बीच एक कार्यसमिति का गठन किया गया, जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही।

इस समिति के गांधी जी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया और इसका कार्यालय अहमदाबाद में रखा गया, अब तक देश में होम रुल की स्थापना हो चुकी थीऔर सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था, परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को सफल करने का दायित्व वल्लभभाई पर ही था, वल्लभभाई ने अत्यंत ही उत्साह से कार्य प्रारंभ किया तथा कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया, शुरूआत में तो कमिश्नर ने न नुकुर की मगर वल्लभभाई ने सात दिन तक का नोटिस देकर स्पष्ट कर दिया कि यदि निर्धारित समय सीमा में उत्तर न दिया, तो वे हाईकोर्ट के निर्णय के आधार पर बेगार प्रथा को गैर कानूनी ठहराकर लोगों को बेगार देना बंद करने की सूचना दे देंगे, हालांकि कमिश्नर ने नोटिस की समयावधि समाप्त होने से पूर्व ही वल्लभभाई को बुलाकर सारी स्थिति स्पष्ट कर पटेल की अभिलाषा के अनुसार निर्णय दे दिया, गांधी जी वल्लभभाई की इस उपलब्धि से काफी खुश हुए,इस घटनाक्रम से गांधी जी के साथ उनका संपर्क बढ़ा और पटेल उनके विश्वासपात्र सहयोगी बन गये, पटेल की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने वकालत करनी शुरू कर दी,महज तीन वर्षों में वकालत से इतनी धन राशि अर्जित कर ली कि वह आसानी से विदेश जाकर वकालत का अध्ययन कर सकते थे, अतः उन्होंने 1905मे में टामस कुक एंड कंपनी के साथ पत्र व्यवहार किया तथा विदेश यात्रा के लिए टिकिट आदि का प्रबंध किया , इस बीच दुर्भाग्य से टामस कुक एंड कंपनी का पत्र बल्लभ भाई के बड़े भाई विट्ठल के हाथ लग गया,पत्र का मजूम पढ़ते ही उनके जहन में विदेश जाकर बैरिस्टरी पास करने की इच्छा जागृत हो गई, काफी संकोच के पश्चात उन्होंने वल्लभभाई से कहा कि मैं तुमसे बड़ा हूं, इसलिए मुझे बैरिस्टरी के लिए विदेश जाने दो , मेरे लौटकर आने के पश्चात तुम चले जाना, तुम्हें तो बाद में भी मौका मिल जाएगा, लेकिन तुम अभी चले गए तो मुझे जाने का मौका नहीं मिलेगा,मान मयार्दा के प्रति समर्पित भाव रखने वाले वल्लभ भाई ने बड़े भाई कि आज्ञा का पालन किया और उन्हें विदेश भेज दिया।

वल्लभभाई मे परिस्थितियों को अनुकूल बना लेने की अद्भुत क्षमता थी उन्हें विदेश, जाना था इसके लिए उन्होंने इंतजार किया, विट्ठल भाई के विदेश से लौटने के पश्चात अगस्त 1910 में वल्लभभाई विदेश जाने के लिए जहाज मैं सवार हो गए ,वहां पहुंचकर वैरिसटरी ?की पढ़ाई के लिए उन्होंने मिडिल टेंपल में दाखिल लिया, यह रोमन ला की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, इतना ही नही बैरिस्टरी की परीक्षा में भी उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया,व उस साल का पुरस्कार वल्लभभाई तथा डेविस के मध्य में बाटा गया, बल्लभ भाई ने अपनी अंतिम परीक्षा जून 1912मे उत्तीर्ण की, जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ , उन्हें 50 पौंड का नकद पुरस्कार मिला लौह पुरुष के नाम से ख्याति प्राप्त करने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल सदैव से ही धैर्यवान व आत्मसंयमी रहे हैं,बड़ी से बड़ी कठिनाई को भी हंसते हुए सहन कर लेना उनके व्यक्तित्व का अंग बन गया था, बल्लभ भाई की पत्नी झवेर बाद अस्वस्थ चल रही थी तथा जिस जगह वे वकालत करते थे, वहां स्वास्थ्य लाभ की उचित व्यवस्था न होने पर उन्हें भी मुंबई भेज दिया गया, इनके साथ मणिबेन व डाहया भाई भी मुंबई आ गए, लेकिन उनका उपचार करने वाले डॉक्टर ने बताया कि 15-20 दिन बाद दवाई से स्थिति सुधारने पर ही अंतड़ियों का आपरेशन होगा,यह सुनकर वल्लभभाई वापस लौट गए, तथा आपरेशन के समय बुलवा लेने के लिए कह गए,वे मुकदमे की पैरवी के लिए आनंद चले गए, इसी दौरान जरूरी होने पर डॉक्टर ने झबेर बा का आपरेशन कर दिया, आपरेशन की सूचना बल्लभ भाई पटेल को नहीं दी गई , आपरेशन सफल रहने पर तार से सूचना भेज दी गई, दुर्भाग्य से सूचना भेजने के दूसरे ही दिन झवेर बा की हालत बिगड़ गई और वे चल बसी,झबेर बा के निधन का समाचार जिस वक्त वल्लभभाई को प्राप्त हुआ उस वक्त वे एक हत्या के मुकदमे की पैरवी कर रहे थे,जो कि अत्यधिक संगीन मामला था तथा जरा सी भी चूक जीवन मरण का प्रश्न पैदा कर सकती थी, पटेल केलिए यह अप्रत्याशित व दुःखद क्षण था, किन्तु साथ ही वे धर्मसंकट में भी उलझ गए कि क्या करें,एक तरफ हत्या का संगीन मुकदमा, जिसमे महत्वपूर्ण गवाह से जिरह की जा रही थी, जिसमें कोताही बरतने पर उसे फांसी की सजा भी हो सकती थी,दूसरी और पत्नी के अंतिम दर्शन का प्रश्न था।

संपादकीय

पर्यावरण या प्रदूषण की चिंता नहीं

जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोड़?- मरोड़? में लगी हो, जिससे ये प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन में आड़े ना आएं, उनसे किसी प्रकार के हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर छाये स्मॉग से जल्द राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आती। इसका खतरनाक प्रभाव यहां के बाशिंदों पर हो रहा है। खुद भारत सरकार ने कहा है कि अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनका सीधा संबंध प्रदूषित हवा से है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री विक्रमजीत एस. साहनी ने राज्यसभा में बताया कि 2022 से 2024 तक सांस संबंधी दो लाख मरीजों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। बाल रोग विशेषज्ञों के हवाले से छपी एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जहरीली हवा के दुष्प्रभाव से त्वचा रोग के मामले बढ़े हैं। खासकर इसका शिकार बच्चे हो रहे हैं।

बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना कितना जोखिम भरा हो गया है, सोशल मीडिया ऐसी चचाओं से भरा-पड़ा है। मगर इतना गंभीर हाल होने के बावजूद हुक्मरान बेफ्रिक्र बने हुए हैं। जब कभी सूरत बेहद बिगड़ जाती है, तो वे पंजाब में पराली जलने की चर्चा कर अपने कर्त्तव्य से मुक्त हो जाते हैं! ये दलील बेतुकेपन की इस हद तक पहुंच चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने अधिकारियों को ऐसा बहाना ना बनाने की सलाह दी। उचित ही उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा की वजहें ढांचागत रूप ले चुकी हैं। समाधान उनका ढूंढा जाना चाहिए। मगर जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोड़?- मरोड़? में लगी हो, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन की गुंजाइश मिल जाए, उनसे ऐसे हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है।

हाल में अरावली पहाडि?यों में खनन के बारे में जैसे दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं, उनसे साफ है कि सत्ताधारी नेताओं को पर्यावरण या प्रदूषण की तनिक भी चिंता नहीं है। अभी कुछ वर्ष पहले तक इस सीजन में स्मॉग छाने पर ऑड- इवन जैसे परिवहन नियमों पर बात होती थी। उससे कम-से-कम यह तो जरूर होता था कि लोगों में जागरूकता आती थी। लेकिन अब वैसी भी कोई फिक्र नजर नहीं आती। अब तो बस ये कोशिश है कि जब तक ये सीजन निकल नहीं जाता, सूरत पर जितना संभव है परदा डाले रखा जाए!

चिंतन-मनन

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया।

संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया।

संन्यासी बोला- समझे या नहीं।

उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए।

संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ह्यराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवसह्ल का आयोजन किया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया ह्यराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियानह्ल एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन ह्यऊर्जा दक्षता ब्यूरोह्ल स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

ललित गर्ग

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँकड़ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पीड़न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है।

आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषतः हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है।

धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक-यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दशार्ता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैकड़ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है। इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पीड़न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। मंदिरों पर हमला सिर्फ पत्थरों की दीवारें गिराने भर की घटना नहीं, यह उन लोगों की आस्था और अस्तित्व पर चोट है जो पीढ़ियों से इस भूमि का हिस्सा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने विभाजन के घावों के बावजूद अपनी मिट्टी, अपनी स्मृतियों और अपने इतिहास से नाता नहीं तोड़ा, परंतु बदले में उन्हें जो मिला वह भय, अपमान और अविश्वास का माहौल है। पाकिस्तान की समस्या सिर्फ कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि उस संरचनात्मक असमानता की भी है जिसे राज्य ने वर्षों तक प्रश्रय दिया है। यदि शासन-व्यवस्था अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की रक्षा नहीं कर सकती, यदि पुलिस और प्रशासन अत्याचारों पर कार्रवाई नहीं करते, यदि न्यायपालिका पीड़ितों की सुनवाई नहीं करती, तो स्पष्ट है कि राष्ट्र अपनी आत्मा खो चुका है। दुनिया के किसी भी देश की प्रगति का मापक यह नहीं कि उसकी जीडीपी कितनी है, बल्कि यह कि उसके सबसे कमजोर नागरिक कितने सुरक्षित हैं। आज पाकिस्तान की छवि एक ऐसे राष्ट्र की बन चुकी है, जहाँ अल्पसंख्यकों के जीवन, आस्था और अस्तित्व को निरंतर खतरा है। पाकिस्तान की सरकारें वर्षों से जिस कट्टरवादी सोच और भारत-विरोधी नजरिए को अपना आधार बनाती रही हैं, वह न केवल विश्व समुदाय में उसकी छवि को गिरा रहा है, बल्कि स्वयं पाकिस्तान को भी विनाश के कगार पर पहुँचा चुका है। आतंकवाद को रणनीतिक औजार बनाकर और सैन्य खर्चों को अनियंत्रित रूप से बढ़ाकर उसने अपने ही देश की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी है। दुनिया जब भारत की धरती से गूंजे 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के मंत्र को अपनाकर सहयोग, शांति तथा वैश्विक भाईचारे की दिशा में आगे बढ़ रही है, तब पाकिस्तान कट्टरवाद की राजनीति को सहारा देकर मानवता को विभाजित करने में जुटा हुआ है। भारत के प्रति उसकी शत्रुतापूर्ण मानसिकता, सीमापार आतंकवाद का समर्थन और विश्व बिरादरी में हानिकारक कदम आज विश्व शांति के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसी नासमझ नीतियों ने पाकिस्तान को विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास-तीनों से वंचित कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध के बाद अब गाजा में तूफान ने मचाई तबाही, ठंड से मर रहे बच्चे, बाढ़ ने छीन लिया आशियाना

गाजा, एजेंसी। युद्ध की भयंकर विभीषिका झेलने के बाद अब गाजा एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। बायरन तूफान की वजह से लोग एक बार फिर बेघर हो गए हैं। इजरायली हमले के बाद टेंट और खंडहरों में रहने वाले लोग तूफान के बाद की ठंड बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। तेज बारिश, बाढ़, ठंडी हवाओं और ओलावृष्टि की वजह से लोगों की जान पर बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तूफान की वजह से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें कई बच्चे शामिल हैं। तूफान की वजह से बडे इलाके में तेज बारिश हुई और टेंट पानी से भर गए ऐसे में लोग सूखी जगह की तलाश में टेंट छोड़ने को मजबूर हो गए। वहीं ठंड उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। वहीं इजरायल की पाबंदियों की वजह से गाजा में जरूरत के सामान की भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी ने कहा कि ठंड की वजह से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई। अल शिफा अस्पताल ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा है कि अल मसरी की उम्र 9 साल थी और अल ख्वाजा केवल कुछ महीनों का ही था। वहीं नासर अस्पताल ने बताया कि 8 महीने के अब जहर की जान ठंड की वजह से चली गई। वहीं उत्तरी गाजा में एक दीवार गिरने की वजह से 6 लोगों की जान चली गई थी। बता दें कि बायरन मध्य भूमध्य सागर से पैदा हुआ एक तूफान है। यह तूफान गर्म हवाओं और नमी की वजह से बना है। इस तूफान ने इजरायल, लेबनान और तटीय इलाकों में असर दिखाया है। इसकी वजह से भारी बारिश और बर्फबारी के हालात बन गए हैं।

पायलट ने हवा में विमान को बंद करने की कोशिश की, इमरजेंसी लैंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस के विमान एम्ब्रेयर ई75 रीजनल जेट में हुई एक घटना के मामले में पायलट को सजा सुनाई गई है। नींद की कमी से जूझ रहे एक पायलट पर आरोप है कि उसने मैजिक मशरूम के नशे में धुत होकर विमान को गिराने की कोशिश की। सिएटल से सैन फ्रांसिस्को जा रहे इस विमान में 83 पैसेंजर और अन्य क्रू मैंबर बैठे हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि जिस पायलट ने यह हरकत की, वह विमान को उड़ा नहीं रहा था, बल्कि जंप सीट पर बैठकर यात्रा कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2023 में हुई इस घटना में जोसेफ एमर्सन नामक पायलट कॉकपिट की जंप सीट पर बैठा हुआ था। अचानक से उसने ऊपर की तरफ लगे दो शट-ऑफ हैंडल को खींचने की कोशिश की। इन हैंडल का उपयोग आग लगने की स्थिति में इंजन को बंद करने के लिए किया जाता है। इस घटना से जुड़ा हुआ एक ऑडियो भी सामने आया है। इसमें दूसरा पायलट जोसेफ को रोकते हुए और गालियां देते सुना जा सकता है। जोसेफ को रोकने के बाद वह हांफते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से इमरजैंसी लैंडिंग की अनुमति मांगता है। इसके बाद लैंडिंग होती है और एमर्सन को गिरफ्तार कर लिया जाता है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब पूछा गया कि आखिर एक ऑफ ड्यूटी पायलट कॉकपिट में क्या कर रहा था, इसका जवाब देते हुए एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट पूरी तरह से भरी हुई थी, इसलिए एमर्सन को जंप सीट पर बैठाया गया था। एमर्सन से जब इस बारे में बात की गई तो उसने बताया कि वह दो दिन पहले खाए मैजिक मशरूम के नशे में था। उसने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कहीं फंसा हुआ हूं। अब मैं अपने घर नहीं जा पाऊंगा। मुझे लगा कि अगर मैं इसे खींच देता हूं तो मैं जाग जाऊंगा। लेकिन इससे मैं जागा नहीं। मैं असल में हकीकत में ही था। अब मुझे समझ रहा है कि वह मेरी जिंदगी के सबसे निर्णायक तीन सेकेंड थे।' गौरलतब है कि एमर्सन ने क्रू के काम में बाधा डालने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। दोष स्वीकार करने के बदले उसे जेल में बिताए 46 दिन की सजा को मानते हुए रिहा कर दिया गया है।

ट्रंप के संघर्ष रोकने का दावा फेल, थाई सेना ने सीमा पर फिर बरसाए बम, इमारतें-पुल तबाह

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीज जारी सीमा संघर्ष में आयदिन नए-नए मोड़ सामने सामने आ रहे है। एक तरफ जहां बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वो एक फोन पर ये संघर्ष रुकवा देंगे। वहीं दूसरी ओर ताजा अपडेट ये है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर हमले और तेज होते नजर आ रहे हैं। आज यानी शनिवार को भी थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया सीमा के पास हवाई हमला किया। जानकारी के मुताबिक, थाई वायुसेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए कई ठिकानों पर बम गिराए। मीडिया रिपोर्टस की माने तो स्थानीय समयानुसार शनिवार की सुबह 5 :50 बजे, थाई सेना ने कंबोडिया के पश्चिमी प्रांत बट्टमबोंग के त्मोर दा शहर के एक होटल की इमारत को निशाना बनाकर एक बम गिराया। इसके पांच मिनट बाद, 5 :55 बजे उसी इलाके में एक और होटल इमारत पर बमबारी की गई।

ट्रम्प के गोल्ड कार्ड के खिलाफ 20 राज्यों का मुकदमा

कहा- डॉक्टरों-शिक्षकों की कमी बढ़ेगी, वीजा के लिए 9 करोड़ रुपए फीस वसूल रहा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी प्रशासन ने ट्रम्प गोल्ड कार्ड वीजा के आवेदनों पर 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) की फीस लगा दी है। इस फैसले के खिलाफ कैलिफोर्निया के नेतृत्व में कुल 20 अमेरिकी राज्यों ने कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया है। इन राज्यों का कहना है कि यह फीस पूरी तरह गैर-कानूनी है और इससे अस्पतालों, स्कूलों, यूनिवर्सिटी और सरकारी सेवाओं में पहले से चल रही डॉक्टरों-शिक्षकों की कमी और गंभीर हो जाएगी। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा, 'ये वीजा डॉक्टर, नर्स, इंजीनियर, वैज्ञानिक और शिक्षक जैसे उच्च कुशल प्रोफेशनल्स के लिए होता है। दुनियाभर का टैलेंट जब अमेरिका आता है तो पूरा देश आगे बढ़ता है। कैलिफोर्निया के साथ न्यूयॉर्क, इलिनॉय, वॉशिंगटन, मैसाचुसेट्स समेत 20 बड़े राज्य इस मुकदमे में शामिल हैं।

राज्य बोले- संसद की मंजूरी के बिना फीस बढ़ाना गलत : राज्यों का तर्क है कि पहले ॥-1क्कवीजा की फीस 1,000 से 7,500 डॉलर (1 से 6 लाख रुपए) के बीच होती थी, लेकिन संसद की मंजूरी के बिना अचानक फीस बढ़ा देना अवैध है। साथ ही यह फीस वीजा प्रोसेसिंग की वास्तविक लागत से सैकड़ों गुना ज्यादा है। उन्होंने इसे प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियमका उल्लंघन बताया। क्योंकि बिना नोटिस और पब्लिक कमेंट के इतना बड़ा नियम नहीं बनाया जा सकता।

अमेरिका के 75% डिस्ट्रिक्ट स्कूलों में टीचर्स की कमी : राज्यों का कहना है कि इसका सबसे बड़ा असर सरकारी और गैर-लाभकारी संस्थानों पर पड़ेगा। स्कूल, यूनिवर्सिटी और अस्पताल को वीजा में छूट मिलता था, लेकिन अब एक-एक विदेशी टीचर या डॉक्टर लाने में 9 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे ये संस्थान या तो सेवाएं घटाएंगे या दूसरी जरूरी योजनाओं से पैसा काटेंगे। अमेरिकी शिक्षा विभाग की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अमेरिका के लगभग 75% डिस्ट्रिक्ट स्कूल को शिक्षक नहीं मिल पा रहे। खासकर स्पेशल एजुकेशन, साइंस और बाइलिंगुअल शिक्षकों की भारी कमी है। वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में 2024 में करीब 17,000 वीजा डॉक्टरों-नर्सों को दिए गए थे। साल 2036 तक अमेरिका में 86,000 डॉक्टरों की कमी होने का अनुमान है, जो ग्रामीण और गरीब इलाकों में पहले से ही गंभीर है।

व्हाइट हाउस बोला- नया वीजा नियम अमेरिकियों की भलाई के लिए है अमेरिकी सरकार वीजा में फीस बढ़ोतरी को जायज बताती रही है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह कदम वीजा प्रोग्राम के दुरुपयोग को रोकेगा। इसका साथ ही अमेरिकी नागरिकों के वेतन और नौकरियों की रक्षा करेगा। इसके उलट आलोचकों का कहना है कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। भारत जैसे देशों से आने वाले 70% से ज्यादा प्रोफेशनल्स पर इसका असर पड़ेगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोफेशनल अब कनाडा, ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जैसे देशों की ओर जा सकते हैं।

इसके साथ ही ट्रम्प प्रशासन वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया के पिछले 5 साल का रिकॉर्ड मांग रहा है। इससे जांच और सख्त हो जाएगा। कुल मिलाकर कुशल विदेशी कर्मचारियों के लिए अमेरिका जाना अब पहले से कहीं ज्यादा महंगा और मुश्किल होने वाला है।

ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अप्लाई प्रोसेस शुरू की : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' के लिए अप्लाई प्रोसेस शुरू करने का ऐलान किया था। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) है। हालांकि कंपनियों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा। ट्रम्प ने इसी साल फरवरी में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (45 करोड़ रुपए) रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर किया गया। ट्रम्प का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा, 'यह दुनिया के सफल उद्यमियों को आकर्षित करेगा।' वहीं ट्रम्प का प्लेटिनम कार्ड भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसकी फीस करीब 5 मिलियन डॉलर (लगभग 45 करोड़ रुपए) है।

ट्रम्प बोले- सिर्फ टैलेंटेड लोगों को वीजा देंगे : गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा। ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड भी लॉन्च किए थे।

दक्षिण अफ्रीका में निर्माणाधीन मंदिर गिरने से दो लोगों की मौत, मलबे में कई लोग फंसे

डरबन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में शुक्रवार दोपहर को चार मंजिला मंदिर गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मलबे में कई लोग दबे हैं, जिन्हें बचाने के लिए अभियान चल रहा है। मुश्किल हालात के बीच, मलबे में सावधानी से ड्रिल करके जिंदा लोगों को ढूंढने की कोशिश हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक मजदूर की हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कंक्रीट का एक ढांचा मंदिर पर डाला जा रहा, जिससे पूरा ढांचा गिर गया और पूरी साइट गिर गई।

मलबे में कई लोग फंसे : मलबे में कितने लोग फंसे हुए हैं, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। बचावकर्मी लोगों को बचाने में जुटे हैं। इस बीच, एक 54 साल के व्यक्ति, जो अपने परिवार के साथ मंदिर आए थे, घटना के बारे में सुनने के बाद उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। ईथेक्विनी (पहले डरबन) की नगर पालिका ने कहा कि मंदिर बनाने के लिए किसी बिल्डिंग प्लान को मंजूरी नहीं दी गई है और इसका निर्माण गैर-कानूनी तरीके से हो रहा था।

दो साल पहले शुरू हुआ था मंदिर का निर्माण : अहोबिलम टेम्पल ऑफ प्रोटेक्शन के नाम से मशहूर, इस मंदिर को एक गुफा जैसा बनाया जा रहा था, जिसमें भारत से लाए गए पत्थरों और उस जगह से खोदे गए पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन पत्थरों को पहली मंजिल पर प्लास्टर किया जा रहा था। मंदिर बनाने वाले परिवार ने कहा कि निर्माण का काम लगभग दो साल पहले शुरू हुआ था और पूरा होने के बाद, इसमें दुनिया की सबसे बड़ी भगवान नरसिंहदेव की मूर्ति होगी।

नेपाल में वर्दी में वीडियो बनाने पर पुलिसवालों पर कार्रवाई, लगातार की जा रही निगरानी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आर्म्ड पुलिस फोर्स की वर्दी पहनकर टिकटॉक और रील वीडियो बनाने के आरोप में 212 सशस्त्र पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है। सशस्त्र पुलिस बल मुख्यालय के प्रवक्ता मनीष थापा ने बताया कि विभिन्न सोशल मीडिया पर वर्दी का प्रयोग कर वीडियो बनाना आचार संहिता के खिलाफ है। इसलिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाए गए।

चेतावनी के बाद भी नहीं माने तो लिया गया एक्शन : पुलिस के अनुसार, दोषी कर्मियों को नसीहत, पदोन्नति रोक, चेतावनी, सतर्क रहने का निर्देश, मौखिक रूप से समझाने जैसे तरीके अजमाए गए हैं। सशस्त्र पुलिस ने कर्मियों की सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी के लिए मुख्यालय में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट भी स्थापित किया है। स्क्रीनिंग के दौरान नियम उल्लंघन में शामिल पाए गए कर्मियों पर सोशल मीडिया मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट की सिफारिश के आधार पर कार्रवाई की गई। कार्की सरकार में 4 और मंत्री नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों को शामिल कर मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या 14 कर दी है। नवनियुक्त मंत्रियों में श्रद्धा श्रेष्ठ, माधव चौलागाईं, राजेंद्र सिंह भंडारी और कुमार इंगनाम हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उन्हें शपथ दिलाई। श्रद्धा श्रेष्ठ को महिला, बाल और वरिष्ठ नागरिक मंत्री, माधव चौलागाईं को वन और पर्यावरण मंत्री, राजेंद्र सिंह भंडारी को श्रम-सामाजिक सुरक्षा मंत्री और कुमार इंगनाम को भूमि प्रबंधन, सहकारिता और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय का प्रभार दिया गया है।

खालिदा जिया के बेटे तारीक रहमान 25 दिसंबर को लौटेंगे स्वदेश : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया के बेटे तारीक रहमान 25 दिसंबर को स्वदेश लौटेंगे। बीएनपी ने यह जानकारी उस समय दी है, जब 80 वर्षीय खालिदा जिया की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारीक रहमान की वापसी का सभी स्वागत कर रहे हैं। रहमान पिछले 17 वर्षों से लंदन में आत्मनिर्वासन में रह रहे थे।

बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी पर हमला: सिर में गोली फंसी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में चुनाव होने में 2 महीने ही बचे है, इसी बीच ढाका में शुक्रवार दोपहर को दक्षिणपंथी युवा नेता को गोली मार दी गई। यह हमला ढाका के बिजॉयनगर में बॉक्स कल्वर्ट रोड पर करीब 2:25 बजे हुआ। शेख हसीना की विरोधी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता और आगामी चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी हमले के समय चुनाव प्रचार कर रहे थे। पुलिस के अनुसार तीन हमलावर मोटरसाइकिल पर आए, गोली चलाकर तुरंत फरार हो गए। हादी को तुरंत ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि गोली उनके सिर में फंसी हुई है और हालत बेहद नाजुक है। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके (7 सिस्टर्स) शामिल थे। इस पोस्ट के बाद, अज्ञात बंदूकधारी ने उन्हें गोली मार दी।

यूनुस बोले- चुनावी माहौल में ऐसी हिंसा अस्वीकार्य : इस घटना पर बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने गहरी चिंता जताई है। यूनुस ने चुनावी माहौल में इस तरह की हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह देश के शांत राजनीतिक वातावरण के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यूनुस ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द हमलावरों की पहचान कर कड़ी सजा दी जाए।

नवंबर में हादी को मौत की धमकियां मिली थी : शरीफ उस्मान हादी एक प्रमुख बांग्लादेशी राजनीतिक कार्यकर्ता, लेखक और दक्षिणपंथी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता हैं। नवंबर 2025 में उन्हें फेसबुक पर 30 विदेशी नंबरों से मौत की धमकियां मिली थी। वे जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले बड़े आंदोलन के बाद उभरे एक प्रभावशाली युवा नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। हादी बांग्लादेश की सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों पर कई किताबें लिख चुके हैं, जो जुलाई प्रदर्शनों से पहले देश की सांस्कृतिक चुनौतियों पर केंद्रित हैं। दिसंबर 2024 में उन्होंने अवामी लीग पर छात्रों की हत्याओं का आरोप लगाया। इसके अलावा, इस्लामिक क्राइम्स ट्रिब्यूनल के शेख हसीना को मौत की सजा देने पर हादी ने इसे एक मिसाल बताया। हादी आगामी संसदीय चुनावों में ढाका-8 निर्वाचन क्षेत्र (मोटीझील, शाहबाग, रामना, पलटन और शाहजहांपुर) से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके थे।

इंकलाब मंच ने शेख हसीना की सरकार गिराई थी : इंकलाब मंच अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद एक संगठन के रूप में उभरा। इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरा दिया था। यह संगठन अवामी लीग को आतंकवादी करार देते हुए पूरी तरह खत्म करने और नौजवानों की सुरक्षा की मांग को लेकर सक्रिय रहा। यह संगठन राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा पर जोर देता है।

पाकिस्तान में पहली बार संस्कृत, गीता पढ़ेंगे बच्चे, पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पहली बार बच्चे संस्कृत पढ़ेंगे और हिंदू धर्म ग्रंथ गीता का अध्ययन करेंगे। दरअसल लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (एलयूएमएस) ने पहली बार संस्कृत को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। आजादी के 77 साल बाद यह कदम पाकिस्तान में शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा। संस्कृत कोर्स की शुरुआत एक साप्ताहिक कार्यशाला से हुई थी, जो अब कोर्स में बदल गई है। एलयूएमएस अब महाभारत और भगवद्गीता पर अलग कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इस प्रयास से पाकिस्तान में संस्कृत के विद्वान तैयार होंगे।

दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने की कोशिश : गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी और एफसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद रशीद विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. रशीद मुख्य रूप से संस्कृत व्याकरण और शास्त्रीय साहित्य पढ़ाते हैं। शुरुआत में छात्र कठिनाई महसूस कर रहे थे, फिर संस्कृत की तार्किक संरचना समझी और विषय में उनकी रुचि बढ़ गई। छात्र हैरान हो गए कि उर्दू और अन्य स्थानीय भाषाओं के कई शब्द संस्कृत से आए हैं। डॉ. कासमी और डॉ. रशीद मानते हैं कि संस्कृत, हिंदी, उर्दू और अन्य भाषाओं के बीच गहरा संबंध है। यह कोर्स दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने का अवसर प्रदान करता है और भाषाई समृद्धि बढ़ाता है।

एक साल का कोर्स बनाने की तैयारी : एलयूएमएस का लक्ष्य 2027 तक इसे एक साल का कोर्स बनाना है। कोर्स के माध्यम से छात्र महाभारत और भगवद्गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन कर सकेंगे और पाकिस्तान में शास्त्रीय भाषाओं के क्षेत्र में नए विद्वान तैयार होंगे। डॉ. रशीद का कहना है कि संस्कृत सांस्कृतिक स्मारक की तरह है। इसे सभी को अपनाना चाहिए। यह किसी एक मजहब की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की धरोहर है।

ईयू ने रूसी संपत्तियां अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कीं : लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस की यूरोप में मौजूद अरबों यूरो की संपत्तियों को अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कर दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देश, जिनकी सरकारें रूस के प्रति नरम रुख रखती हैं, यूक्रेन की मदद में बाधा न डाल सकें। ईयू ने यह फैसला आर्थिक आपातकाल की एक विशेष प्रक्रिया के तहत लिया। इन संपत्तियों को तब तक रोका जाएगा, जब तक रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध समाप्त नहीं करता और हुए नुकसान की भरपाई नहीं करता।

कोठरी में इमरान खान को एकांत कारावास, यूएन विशेषज्ञ ने जताई चिंता, कहा- यह यातना के बराबर

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की यातना मामलों की विशेषज्ञ एलिस जिल एडवर्ड्स ने आज पाकिस्तान सरकार से आग्रह किया है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति को लेकर आ रही रिपोर्ट्स पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी परिस्थितियां यातना या अन्य अपमानवीय या अपमानजनक व्यवहार के बराबर मानी जा सकती हैं। एडवर्ड्स ने कहा, मैं पाकिस्तानी अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील करती हूं कि इमरान खान की हिरासत की शर्तें पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने बताया कि 26 सितंबर 2023 को रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित होने के बाद से इमरान खान को लंबे समय तक एकांत कारावास में रखा गया है। उन्हें दिन में 23 घंटे कोठरी में बंद रखा जाता है और बाहरी दुनिया से उनका संपर्क बेहद सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि खान को उनकी कोठरी में कथित तौर पर लगातार कैमरे की निगरानी में रखा जाता है। विशेषज्ञ ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत लंबे समय तक एकांत कारावास प्रतिबंधित है और अगर यह 15 दिनों से अधिक समय तक हो जाता है, तो इसे यातना का एक रूप माना जाता है। एडवर्ड्स ने कहा, इमरान खान के लिए एकांत कारावास की सजा को बिना किसी देरी के खत्म किया जाना चाहिए। यह न केवल एक गैरकानूनी उपाय है, बल्कि लंबे समय तक एकांत कारावास से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत हानिकारण परिणाम हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, इमरान खान को कोठरी से बाहर गतिविधि करने या अन्य कैदियों से मिलने की अनुमति नहीं है और सामूहिक नमाज में भी शामिल नहीं हो सकते। वकीलों, परिजनों और अदालत की ओर से अधिकृत अन्य लोगों की मुलाकातें अक्सर रोक दी जाती हैं या समय से पहले खत्म हो जाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान एक छोटी सी कोठरी में रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रोशनी और पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं है। इस कोठरी में गर्मियों और सर्दियों में तापमान चरम सीमा तक पहुंच जाता है और खराब हवा के कारण दुर्गंध और कीट-मकौड़े की समस्या होती है। इसके कारण उन्हें मतली, उल्टी और वजन कम होने की शिकायत रही है। एडवर्ड्स ने कहा, जो कोई भी कैदी है, उसके साथ मानवता और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। कैदी की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति का ध्यान रखा जाना चाहिए, जिसमें उचित सोने की व्यवस्था, जलवायु संरक्षण, पर्याप्त जगह, रोशनी, गर्मी और वेंटिलेशन शामिल हैं। इमरान खान (72 वर्षीय) को पहले से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जिसमें 2013 के एक हादसे में गंभीर रीढ़ की चोट और 2022 की हत्या के प्रयास में गोली लगना शामिल है। एडवर्ड्स ने कहा, इमरान खान को पर्याप्त चिकित्सा सहायता नहीं दी गई है।

रूसी मीडिया ने डिलीट किया शहबाज शरीफ की बेइज्जती वाला वीडियो

अश्गाबात, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शांति और विश्वास मंच (पीस एंड ट्रस्ट फोरम) के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट से ज्यादा लंबा इंतजार कराना पड़ा। इस घटना ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, जब रूसी मीडिया चैनल आरटी इंडिया ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शरीफ को कथित तौर पर पुतिन-तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन की बंद कमरे वाली बैठक में 'घुसते' दिखाया गया। वीडियो वायरल होते ही पाकिस्तानी पीएम का मजाक उड़ने लगा, लेकिन कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने इसे डिलीट कर दिया।

घटना का बैकग्राउंड: क्या हुआ तुर्कमेनिस्तान में : तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात में 12 दिसंबर को आयोजित इस फोरम ने देश की 30वीं स्थायी तटस्थता वर्षगांठ मनाई। इसमें रूस, तुर्की, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों के नेता शामिल हुए। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक का शेड्यूल था, जो रूस-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने का हिस्सा था। लेकिन बैठक में देरी हुई। आरटी इंडिया ने अपने पहले वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार सहित पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने एक हॉल में 40 मिनट इंतजार किया। इसने एक अन्य वीडियो के साथ लिखा कि थक-हार कर शरीफ पुतिन-एर्दोगन की बंद बैठक में घुस गए, जहां वे सिर्फ 10 मिनट रुक सके और फिर बाहर आ गए। वीडियो में शरीफ को असहज दिखाया गया, जबकि पुतिन और एर्दोगन अपनी बातचीत में व्यस्त थे। आरटी इंडिया ने एक्स पर लिखा- पीएम शरीफ ने पुतिन के लिए 40 मिनट इंतजार किया, फिर एर्दोगन वाली बैठक में घुस गए। वे 10 मिनट बाद बाहर आ गए। यह पोस्ट तेजी से वायरल हुई, जिसके

बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। यूजर्स ने इसे अंतरराष्ट्रीय अपमान करार दिया, कुछ ने कहा- पुतिन ने भिखारियों के लिए समय बर्बाद नहीं किया।

वीडियो डिलीट और सफाई: आरटी इंडिया की सफाई : वायरल होने के कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने वीडियो और पोस्ट डिलीट कर दिया। चैनल ने एक्स पर सफाई जारी करते हुए कहा- हमने तुर्कमेनिस्तान में पीस एंड ट्रस्ट फोरम में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ के व्लादिमीर पुतिन से मिलने का इंतजार करने वाली पिछली पोस्ट डिलीट कर दी है। हो सकता है कि वह पोस्ट घटनाओं को गलत तरीके से दिखा रही हो। हालांकि बाद में पाकिस्तानी पक्ष की ओर से कुछ अन्य वीडियो जारी किए गए हैं जिनमें शरीफ-पुतिन से मिलते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में शरीफ को पुतिन के साथ कॉरिडोर में हाथ मिलाते और बातचीत करते दिखाया गया। खुद पाकिस्तान स्थिति रूसी दूतावास ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 12 दिसंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अश्गाबात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।.. हालांकि पुराने विवादित वीडियो को लेकर न तो रूस और न ही पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है।

भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान को हराया

दुबई (एजेंसी)। आरोन जॉर्ज के शानदार अर्धशतक के बाद दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान की घातक गेंदबाजी की सहायता से भारतीय टीम ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट मैच में 90 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। भारत ने आरोन के 85 और कनिष्क के 46 रनों की सहायता से 46.1 ओवर में 240 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम 41.2 ओवर में 150 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की टीम 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भातरीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। उसकी शुरूआत धीमी और टीम के लगातार विकेट गिरते गये। केवल हुजैफा अहसान ही 50 रन बनाये पाये। इस खिलाड़ी के आउट होते ही पाक टीम की बल्लेबाजी ढह गयी।

इससे पहले आरोन और कनिष्क की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने 240 रन बनाए। इस मैच में आरोन ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली जबकि कनिष्क ने 46 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से मोहम्मद सैय्यम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट लिए। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आज असफल रहे और केवल 5 रन ही बना पाये। वह 3.2 ओवर में मोहम्मद सैय्यम का शिकार बने।

यशस्वी के अलावा भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे भी 38 रन ही बना पाये। विहान मल्होत्रा ने 12 रन जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 7 रन बनाये। अभिज्ञान कुंडू ने 32 गेंदों पर 22 रन बनाए। आरोन ने सबसे बेहतर खेलते हुए 12 चौके और एक छक्का लगाकर 88 गेंदों पर 85 रन बनाए। खिलान पटेल केवल 6 रन ही बना पाये। कनिष्क चौहान 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 46 गेंदों पर 2 चौके, 3 छक्के लगाये। -हेनिल पटेल12 रन जबकि दीपेश देवेंद्रन 1रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी भी प्राप्त करने वाला - अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावे के साथ कहा है कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी भी प्राप्त करने वाला है। उन्होंने यह बात अहमदाबाद में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में कही। अमित शाह ने महोत्सव में उपस्थित लोगों से कहा कि वे और भी बड़े खेलों के आयोजन के लिए तैयार हो जाएं।

सांसद खेल महोत्सव में अमित शाह ने कहा, आप सबको हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है। मगर अहमदाबाद के लोगों तैयार हो जाओ, क्योंकि इस शहर में 2036 के ओलंपिक्स भी आने वाले हैं। बता दें कि यह समारोह नारनपुरा में हुआ, जहां अमित शाह नवनिर्मित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहुंचे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार से गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद 2036 से पहले कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इवेंट्स की मेजबानी करने वाला है। उन्होंने अपना उद्देश्य स्पष्ट रखते हुए कहा कि उनका लक्ष्य खेलों का ऐसा माहौल तैयार करना और एक ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार करना है, जो ओलंपिक्स जैसे बड़े आयोजनों का समर्थन कर सके।

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद में किस स्तर पर खेलों के विकास का प्रयास हो रहा है। 800 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया वीर सावरकर कॉम्प्लेक्स इसी का एक उदाहरण है। इसके अलावा उन्होंने मोटेरा स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव का भी जिक्र किया।

अमित शाह ने आत्मविश्वास के साथ कहा, मुझे विश्वास है कि जब भारत ओलंपिक्स की मेजबानी करेगा, तब भारत पदक विजेता देशों की टॉप-5 सूची में आ जाएगा। उन्होंने बताया कि 2014 में खेल बजट 800 करोड़ का था, लेकिन अगले 11 सालों में यह बढ़कर 2025 में 4 हजार करोड़ का हो गया है।

हार्दिक पांड्या ने अपने नाम की बड़ी उपलब्धि, टी20आई में ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे तीसरे मैच में हार्दिक पांड्या ने बड़ा रिकॉर्ड बनाते हुए टी20आई में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। हार्दिक से पहले अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह इस मुकाम को हासिल कर चुके हैं।

पांड्या को टी20आई में 100 विकेट पूरे करने के लिए एक विकेट की जरूरत थी। उन्होंने ट्रिस्टन स्टब्स को 6.6 ओवर में जितेश शर्मा के हाथों आउट करवाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। इतना ही नहीं पांड्या भारत के लिए टी20आई में 100 विकेट लेने और 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं ओवरऑल बात करें तो वह इस एलीट लिस्ट में जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी के साथ शामिल हो गए हैं।

टी20आई में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

अर्शदीप सिंह - 71 मैचों में 108 विकेट

जसप्रीत बुमराह - 82 मैचों में 101 विकेट

हार्दिक पांड्या - 123 मैचों में 100 विकेट

युजवेंद्र चहल - 80 मैचों में 96 विकेट

भुवनेश्वर कुमार - 87 मैचों में 90 विकेट

प्लेइंग 11

भारत : अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती

दक्षिण अफ्रीका : रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडेन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को जेनसन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्टजे, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन

गिल के मुकाबले इस बल्लेबाज का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि ICC T20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले शुभमन गिल के मुकाबले सूर्यकुमार यादव का फॉर्म मेन इन ब्लू के लिए ज्यादा चिंता का विषय है। टी20 वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन 7 फरवरी 2026 को शुरू होगा और 8 मार्च को फाइनल तक होगा। भारत और श्रीलंका 20 टीमों के इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी 29 दिनों में आठ जगहों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर करेंगे।

सूर्या का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता का विषय : कैफ

इस साल टी20आई क्रिकेट में दोनों बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए मोहम्मद कैफ को लगता है कि भारत को गिल के बजाय सूर्या के फॉर्म के बारे में ज़्यादा चिंता करनी चाहिए क्योंकि एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'टी20 वर्ल्ड कप नजदीक है, इसलिए गिल के मुकाबले सूर्या का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता का विषय है। भारत के पास ओपनिंग के कई विकल्प हैं, लेकिन एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता।'

2025 में एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाए सूर्या और गिल

टी20आई क्रिकेट में सूर्यकुमार का फॉर्म तेजी से गिरा है। भारत के टी20आई कप्तान ने इस साल 19 मैचों में 201 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार इस साल टी20आई में अभी तक एक भी फिफ्टी नहीं बना पाए हैं। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज का औसत 14.35 और स्ट्राइक रेट 126.41 रहा है। दूसरी ओर गिल का भी टी20आई क्रिकेट में यह साल अच्छा नहीं रहा है। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस साल सबसे छोटे फॉर्मेट में 14 मैचों में 263 रन बनाए हैं। गिल अभी तक एक भी फिफ्टी नहीं बना पाए हैं। उनका औसत 23.90 और स्ट्राइक रेट 142.93 है।

आईपीएल2026 ऑक्शन से पहले सरफराज खान का धमाका, सिर्फ इतनी गेंदों में जड़ी तूफानी फिफ्टी

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन से पहले सरफराज खान ने अपने बल्ले से जोरदार संदेश दे दिया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मुंबई की ओर से खेलते हुए सरफराज ने हरियाणा के खिलाफ महज 25 गेंदों में 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 256 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बरसाए। उनकी इस पारी में 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

हरियाणा के गेंदबाजों पर बरपा कहर

सुपर लीग के शुरुआती मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ फ्लॉप रहने के बाद सरफराज ने जोरदार वापसी की। हरियाणा के खिलाफ उन्होंने शुरू से ही आक्रामक तेवर दिखाए और गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। उनकी यह पारी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींचने के लिए काफी मानी जा रही है।

हाई-स्कोरिंग मैच में मुंबई की शानदार जीत

इस मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने आक्रामक अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया। सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल के बीच 37 गेंदों में 88 रनों की तेज साझेदारी हुई। जायसवाल ने 50 गेंदों में 101 रन की शतकीय पारी खेली और मुंबई ने 15 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इस रोमांचक टी20 मैच में कुल 472 रन बने।

ऑक्शन के पहले सेट में शामिल सरफराज

आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। 1000 से ज्यादा खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया है। सरफराज खान का नाम

ऑक्शन के पहले सेट में शामिल है, जिसमें पृथ्वी शॉ, कैमरून ग्रीन, टिम डेविड, डेवोन कॉनवे और जेक फ्रेजर मैकगर्क जैसे बड़े नाम भी मौजूद हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए सरफराज पर बड़ी बोली लगने की पूरी संभावना है।

विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली इस साल विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं। कोहली का नाम भारत के प्रमुख 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल होने के बाद , रोहित का चयन भी लगभग तय है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की मुंबई में विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलने की संभावना हैं ताकि भारत की अगली वनडे सीरीज से पहले उन्हें तैयारी का मौका मिल सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफल सीरीज के बाद, भारत की अगली वनडे द्विपक्षीय सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होगी।

इसका मतलब है कि उस सीरीज से पहले काफी समय है और अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलने वाले रोहित शर्मा और कोहली घरेलू क्रिकेट में खेल सकेंगे। यह बीसीसीआई की उस नीति के अनुरूप भी है जिसके तहत फिट और उपलब्ध सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू मैच खेलना अनिवार्य है। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'टीम का चयन हर मैच के आधार पर किया जाएगा और हमें उम्मीद है कि रोहित कुछ मैच खेलेंगे, हालांकि अभी तक उनकी तरफ से कोई पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन अभी समय है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के बाद अगले हफ्ते टीम का चयन होने की संभावना है। अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच भी हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगा।'

मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई, कहा मुझे तुम पर गर्व है

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था। बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है। ये मेरे लिए बेहद गर्व का पल है और मैं इसके लिए पीसीए की आभारी हूं। लंबे संघर्ष के बाद ये दिन आया है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वह तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं जिनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखा गया है. इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर स्टैंड बने थे पर हरमनप्रीत को सक्रिकय क्रिकेटर के तौर पर ये सम्मान मिला है। इसके साथ ही हरमनप्रीत को 11 लाख रुपये का चेक भी मिला है। के अलावा अमनजोत कौर और हरलीन देओल को भी 11 लाख रुपये मिले हैं। वहीं फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपये मिले हैं।

नीदरलैंड्स ने अर्जेंटीना को हराकर जीता एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। नीदरलैंड्स ने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डच टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप का खिताब जीता और 2022, 2023 और अब 2025 में जीत के साथ लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया।

मैच की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने पहले हाफ में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले से गोल करके मैच अपने नाम कर लिया और फिर निर्णायक चरणों में एक बहुत ही मजबूत रक्षात्मक संरचना के माध्यम से अपनी मामूली बढ़त को बनाए रखा।इस दौरान अर्जेंटीना लगातार दबाव दिखी। नीदरलैंड्स को दूसरे क्वार्टर में सफलता उसम समय मिली जब आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया।

अर्जेंटीना ने रक्षात्मक अनुशासन के साथ जवाब दिया, दबाव के सबसे कठिन चरणों को सहा और पेनल्टी कॉर्नर से अपने पहले स्कोरिंग मौके बनाए, दूसरे क्वार्टर में दो प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने लारा कैसास ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया और अर्जेंटीना की खिताबी मुकाबले में वापसी कराई। इसके बाद नीदरलैंड्स ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए और रखा और अर्जेंटीना को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। ब्राजील ने चीन को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

पीसीबी ने टी20 विश्व कप 2026 पोस्टर में उसके कप्तान को जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी , आईसीसी से की शिकायत

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आरोप लगाया है कि टी20 विश्व कप 2026 के टिकट पोस्टर में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर नहीं लगायी गयी है। पीसीबी ने इस बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी शिकायत की है। पीसीबी का कहना है कि पाक कप्तान को पोस्टर में जगह नहीं दिया जाना संतुलन और निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि पाक टीम टूर्नामेंट का हिस्सा है। पीसीबी ने इस मामले पर आईसीसी को पत्र लिखकर नाराजगी भी जतायी है। पीसीब का कहना है कि ऐसे प्रमोशनल पोस्टर करोड़ों फैंस तक पहुंचते हैं और इनमें पाक कप्तान के नहीं होने से प्रशंसकों को ठेस लगती है। पीबीबी ने ये भी कहा कि एशिया कप के दौरान भी पाक कप्तान को प्रमोशनल कैंपेन में जगह नहीं मिली थी। पीसीबी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि आइसीसी इस मामले पर ध्यान देगी। पाकिस्तान टीम अभी आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर है पर पीसीबी का मानना है कि रैंकिंग के आधार पर किसी देश के कप्तान की उपेक्षा नहीं की जा सकती। पीसीबी का कहना है कि उसके दुनिया भर में काफी प्रशंसक है और इसी कारण उसे भी बराबर प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। दूसरी ओर आईसीसी ने अभी तक अपनी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करता है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : यशस्वी के शतक से मुम्बई ने हरियाणा को हराया

मुम्बई । बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शतक 101 रनों की सहायता से मुम्बई ने हरिणाण के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्रॉफी में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया है। ये इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड झारखंड को था जो उसने पंजाब बे खिलाफ 237 रन बनाकर हासिल किया था। इस मैच में अपनी पारी से यशस्वी ने साबित किया है कि वह केवल टेस्ट ही नहीं टी20 के भी अच्छे बल्लेबाज हैं। सुपर लीग के इस मैच में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एक बड़ा स्कोर बनाया।। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी रते हुए मुंबई के गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया। 235 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछ करते हुए यशस्वी ने पूरी जिम्मेदारी से खेला। नॉकआउट चरण के इस मैच में मुंबई की टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उसके खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही सराकात्मक रुख अपनाया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की । इस बल्लेबाज ने एक के बाद एक आक्रामक शॉट खेले और केवल 48 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिये। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। ये उनका टी20 में चौथा शतक था। यशसवी की बल्लेबाजी के सामने हरियाणा के गेंदबाज बेबस दिखे। सबसे अधिक अंशुल कंबोज पर उनका कहर टूटा। कंबोज की 13 गेंदों पर ही उन्होंने 34 रन बना दिये। वहीं सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने केवल 13 गेंदों में 25 रन बनाये। इससे मुंबई का रन रेट अच्छा बना रहा और उसके बल्लेबाजों पर कोई दबाव नहीं आया। यशस्वी जब आउट हुए तब मुंबई को जीत के लिए केवल सात रन बनाने थे। जीत से सिर्फ सात रन दूर थी।

गनथर के खिलाफ हार के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यूडब्यलूई करियर समाप्त हुआ

वॉशिंगटन । दिग्गज डब्ल्यू डब्यलू ई रेसलर जॉन सीना को यहां कैपिटल वन एरीना में हुए अपने अंतिम मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। सीना को इस मैच में गनथर ने हराया। गनथर के सामने इस मुकाबले में सीना टिक नहीं पाये और उन्होंने हार मान ली। मैच के बाद सीना ने अपनी टी-शर्ट और रिस्टबैंड रिंग में छोड़ने और दर्शकों का अभिवादन करने के बाद रिंग से विदायी दे ली। इस मुकाबले में सीना ने अंतिम बार अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किय पर गनथर के सामने उनकी एक न चली। इस मुकाबले के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यू डब्यलू ई करियर समाप्त हो गया। इसमें सीना का बनाया हुआ गीत 卐 माय टाइम इज नाउ卐 बज रहा था। सीना के प्रतिद्वंदी गुंथर के नाम भी कई रिकार्ड हैं। वह डब्ल्यू डब्यलू ई इतिहास के सबसे लंबे समय तक इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियन रहे हैं और पूर्व विश्व हेवीवेट चैंपियन भी हैं। ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांच मुठभेड़ देखने को मिली। इसमें सीना पूरी ताकत से उतरे।

सीना ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह उनका आखिरी मैच है और इसके बाद वह सक्रिय रेसर के रूप में नहीं उतरेंगे। सीना ने कहा है कि मुझे अच्छा लगता है कि प्रशंसक सोचते हैं कि मैं फिर लौट सकता हूं हालांकि इस बार ऐसा नहीं होगा। उनके अनुसार यह मुकाबला उनके करियर का अंतिम मैच था। भले ही भविष्य में रेसलमेनिया जैसे बड़े इवेंट हों पर अब वह रिंग में नहीं उतरतेंगे। सीना को पीपल्स चैंपियन भी कहा जाता है। उन्होंने डब्ल्यू डब्यलू ई के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इसे पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने अपने फाउंडेशन के जरिए हजारों बीमार बच्चों की इच्छाएं पूरी कीं। इसी कारण रिंग के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके प्रशंसकों की भारी संख्या रही है। इसी कारण उनके विदायी मैच में प्रशंसक भावुक हो गये थे। इस दौरान कई दिग्गज सितारे भी दर्शकों में शामिल थे।

वैभव सूर्यवंशी जैसा टैलेंट, लेकिन एक चूक से शुरू होने से पहले खत्म हो गया करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में जब भी कोई युवा बल्लेबाज अपने आक्रामक खेल से सुर्खियां बटोरता है, तो उससे बड़ी उम्मीदें जुड़ जाती हैं। आज वैभव सूर्यवंशी उसी दौर से गुजर रहे हैं। बेखौफ बल्लेबाज़ी, तेज स्ट्रोक्स और मैच का रुख पलटने की क्षमता ने उन्हें उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया है। लेकिन यही खूबियां कभी एक और युवा बल्लेबाज़–पृथ्वी शॉ में भी नजर आती थीं। फर्क सिर्फ इतना है कि वैभव का सफर शुरू हो रहा है, जबकि पृथ्वी शॉ की कहानी एक चेतावनी बन चुकी है।

वैभव सूर्यवंशी: आक्रामकता की नई पहचान

वैभव सूर्यवंशी अपनी अटैकिंग बल्लेबाज़ी के लिए पहचाने जाने लगे हैं। आईपीएल से लेकर अंडर-19 एशिया कप तक, उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। यूएई के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रनों की धमाकेदार पारी ने उन्हें अलग पहचान दी। नई गेंद हो या तेज गेंदबाज़, वैभव शुरुआत से ही दबाव बनाना जानते हैं। तेज फुटवर्क, शानदार कवर ड्राइव और दमदार पुल शॉट उनकी बल्लेबाज़ी की खासियत हैं।

पृथ्वी शॉ का सपनों जैसा उदय

पृथ्वी शॉ का करियर किसी सपने से कम नहीं था। अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी, टेस्ट डेब्यू में शतक और घरेलू क्रिकेट में रनों की बरसात–हर जगह उनका बल्ला बोल रहा था। उनकी आक्रामक शैली के चलते क्रिकेट जगत ने उन्हें ÷नेक्स्ट सुपरस्टार÷ तक कहना शुरू कर दिया था। लेकिन शुरुआती सफलता के साथ आया दबाव और शोहरत को वह संभाल नहीं पाए।

अनुशासन की कमी बनी सबसे बड़ी वजह

जहां वैभव के सामने लंबा रास्ता है, वहीं पृथ्वी शॉ का करियर गलत फैसलों की भेंट चढ़ गया। खराब रूटीन, फिटनेस पर ध्यान न देना और मैदान के बाहर की जिंदगी को प्राथमिकता देना–इन सबका असर उनके खेल पर पड़ा। चयनकर्ताओं का भरोसा डगमगाया और धीरे-धीरे टीम इंडिया के दरवाज़े उनके लिए बंद होते चले गए। टैलेंट भरपूर था, लेकिन कमिटमेंट की कमी ने सब कुछ खत्म कर दिया।

वैभव के लिए सबक

वैभव सूर्यवंशी आज उसी मोड़ पर खड़े हैं, जहां कभी पृथ्वी शॉ थे। फर्क बस इतना है कि इतिहास अब सामने है। पृथ्वी शॉ की कहानी वैभव के लिए चेतावनी है कि सिर्फ प्रतिभा से करियर नहीं बनता। अनुशासन, फिटनेस, सही संगत और फोकस ही किसी खिलाड़ी को लंबी रेस का घोड़ा बनाते हैं।

निष्कर्ष

भारतीय क्रिकेट ने कई ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी देखे हैं, जो उम्मीदों का बोझ नहीं संभाल पाए।

पृथ्वी शॉ का टैलेंट वैभव सूर्यवंशी से कम नहीं था, लेकिन एक छोटी सी चूक ने उनके करियर की दिशा बदल दी। अब यह वैभव पर निर्भर करता है कि वह इतिहास से सबक लेकर खुद को भारतीय क्रिकेट का सच्चा भविष्य बनाते हैं या नहीं।

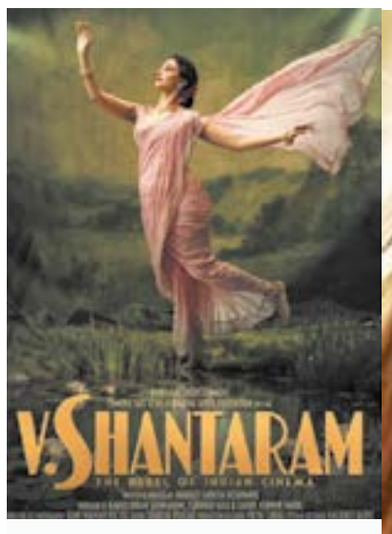

जयश्री के पोस्टर पर मिली प्रतिक्रिया से गदगद हुईं तमन्ना भाटिया

इस साल कुछ बायोपिक फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, और कुछ रिलीज के लिए बाकी हैं, लेकिन कुछ ही ऐसी होती हैं जो चर्चा का विषय बन पाती हैं। वी. शांताराम भी इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण फिल्म होगी, जो हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर को फिर से जीवंत करेगी। दरअसल, यह फिल्म बीते जमाने के महान निर्देशक वी. शांताराम के जीवन पर आधारित है, जिनका किरदार अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी निभा रहे हैं। वहीं, फिल्म में वी. शांताराम की पत्नी जयश्री का किरदार अभिनेत्री तमन्ना भाटिया निभा रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने अभिनेत्री के पहले लुक की तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वे गुलाबी रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। यह लुक पुराने दौर के भारतीय सिनेमा की याद दिला रहा था।

अभिनेत्री का लुक रिवील होने के बाद प्रशंसकों समेत इंडस्ट्री के कई लोगों ने तारीफ की थी। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके लिखा, जयश्री जी के पोस्टर पर प्यार मिला, वह पूरी अभिनेत्री का है। उनकी शालीनता, सुंदरता और विरासत को मेरा सलाम। जब मैंने फिल्म को लेकर हां कहा है, तब से ही जयश्री से मेरा लगाव गहरा हो गया था। वी. शांताराम की सोच ने अपने समय से बहुत आगे बढ़कर सिनेमा को नया रूप दिया था। उन्होंने लिखा, जयश्री बनने ने मुझे जितना सिखाया है, मैंने सोचा भी नहीं था और अब मैं इस यात्रा के आगे आने वाले हर अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री की पोस्ट उनके फैंस और साथी कलाकारों को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है।

आलिया ने जताई खुशी

गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है।

गोल्डन ग्लोब की अध्यक्ष ने की आलिया की प्रशंसा

इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है।

'अल्फा' में नजर आएंगी आलिया

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आलिया आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं।

डिजिटल क्रिएशन पर बोलीं प्राजक्ता कोली

यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने साफ कहा है कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है, बल्कि पिछले दस साल में यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, तेज और अनिश्चित हो गया है। बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया अब इन्फ्लुएंसर-डॉमिनेटेड हो गया है और कंटेंट क्रिएटर्स की शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है, तो प्राजक्ता ने कहा, मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगता। यह कम नहीं हुआ है, बस बदल गया है। दस-ग्यारह साल पहले जब हमने काम शुरू किया था, तब सिर्फ लॉन्ग-फॉर्म वीडियो चलते थे। आज लोगों का अटेंशन बस बंट गया है। आज कई नए-नए प्लेटफॉर्म्स आ गए हैं। प्राजक्ता ने साल 2017 के डिजिटल बूम को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा, उसी बूम की वजह से आज भारत में इतना काम है कि पहले से कहीं ज्यादा क्रिएटर्स मौजूद हैं। यही कारण है कि आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है। हर बड़ा ब्रांड, हर बड़ी कंपनी भारत की तरफ देख रही है और हमारे साथ काम करना चाहती है।

क्रिएटर बनने की जर्नी को उन्होंने पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताया। प्राजक्ता ने कहा, इस इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप या ब्लूप्रिंट नहीं होता। यह एक रोलरकोस्टर राइड है। कभी लगता है कि तीन-चार अच्छे वीडियो बन गए, जिंदगी सेट हो गई। फिर पांचवां वीडियो आते-आते सब बदल जाता है। इस पागलपन में कोई पैटर्न नहीं, कोई रिदम नहीं। सब कुछ खुद ही करना पड़ता है। उन्होंने यह भी माना कि पिछले दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को जल्दी अपनाना जरूरी है।

उन्होंने बताया, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण रहा यह समझना कि इस समय कौन-सी चीज चल रही है, कौन सी चलनी बंद हो गई और फिर बिना रुके अगली चीज की तरफ बढ़ जाना। प्राजक्ता का मानना है कि डिजिटल स्पेस का सफर जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही रोमांचक भी है।

फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' में जितेंद्र कुमार के साथ इश्क फरमाएंगी आरजे महवश

सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की गर्लफ्रेंड आरजे महवश अब बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' की घोषणा आज हो गई है। इस फिल्म को कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा करते हुए एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है।

जितेंद्र कुमार के साथ बनेगी महवश की जोड़ी

फिल्म को प्रस्तुत करने वाले कोरियोग्राफर-निर्देशक रेमो डिसूजा ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में जितेंद्र कुमार की आवाज में वॉइस ओवर है, जो फिल्म में लीड रोल निभा रहे हैं। फिल्म में जितेंद्र कुमार गुलाब हकीम के किरदार में नजर आएंगे, जबकि आरजे महवश नगमा का किरदार निभाएंगी। हालांकि, आरजे महवश की झलक अभी नहीं दिखी है। वहीं जितेंद्र कुमार भी सिर्फ एक तस्वीर में नजर आए हैं। वीडियो में सिर्फ फिल्म के मेकर्स और कास्ट का खुलासा हुआ है। अनाउंसमेंट वीडियो में जितेंद्र कुमार गुलाब और नगमा की मोहब्बत की कहानी का परिचय देते हैं।

पर्दे पर दिखेगी गुलाब और नगमा की अनोखी मोहब्बत

इस अनाउंसमेंट वीडियो को शेयर करते हुए रेमो डिसूजा ने कैप्शन में लिखा है, 'गुलाब और नगमा की मोहब्बत। एक ऐसी मोहब्बत जिसमें जान कम है, लेकिन जुनून ज्यादा है। गुलाब में मोहब्बत का कीड़ा है और नगमा में एक कुदरत का। दिल धड़कता है, कहानी मोड़ लेती है और प्यार जिद दिखाता है और उसी जिद में दिल धड़कते हैं।

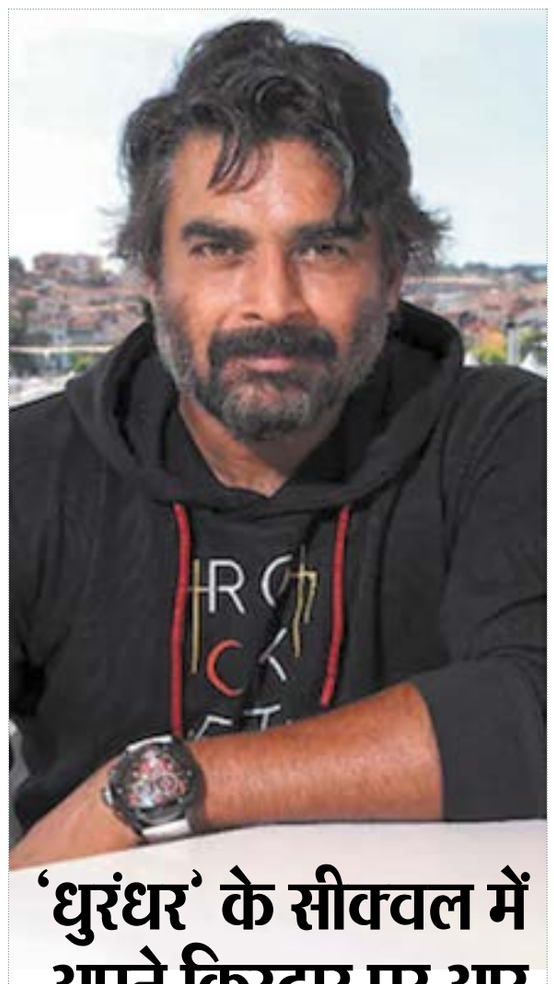

'धुरंधर' के सीक्वल में अपने किरदार पर आर माधवन ने दिया अपडेट

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है। फिल्म की कहानी से लेकर कास्टिंग तक की काफी चर्चा की जा रही है। इस मल्टी स्टारर फिल्म में आर माधवन ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक अजय सान्याल का किरदार निभाया है। 'धुरंधर' के बाद अब दर्शक फिल्म के सीक्वल को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी घोषणा मेकर्स ने फिल्म के अंत में ही कर दी है। अब आर माधवन ने फिल्म के सीक्वल और अजय सान्याल के अपने किरदार को लेकर बड़ा हिंट दिया है।

दूसरे पार्ट में ज्यादा होगा माधवन का किरदार

बातचीत के दौरान आर माधवन ने फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आदित्य धर एक साधु हैं। इतनी सघन और गहन फिल्म बनाने की सारी उथल-पुथल के बीच वह चिंताओं को शांत करने के लिए वहीं बैठे रहते हैं। 'धुरंधर' में आदित्य के साथ काम करने के बाद मैं उनके साथ बार-बार काम करना चाहता हूं। वहीं फिल्म के सीक्वल और अपने किरदार को लेकर माधवन ने कहा कि पहले पार्ट में मेरी स्क्रीन प्रजेंस सीमित है। लेकिन मार्च में रिलीज होने वाले दूसरे भाग में मेरे किरदार की झलक साफ दिखाई देगी, क्योंकि वह रणवीर के किरदार को जासूस बनाने के लिए ट्रेनिंग देते हैं।

इस साल माधवन ओटीटी से लेकर सिनेमाघरों तक कई फिल्मों और सीरीज में नजर आए हैं। इस साल अपने काम को लेकर माधवन ने कहा कि मैंने साल की शुरुआत 'हिसाब बराबर' से की थी। जबकि साल का अंत 'धुरंधर' के साथ कर रहा हूं, जो मेरे करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक है। मुझे अपने करियर के सबसे क्रिएटिव दौर में सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मणिरत्नम, कमल हासन, राजकुमार हिरानी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा, आनंद एल राय और अब आदित्य धर। मैं इससे ज्यादा और कुछ नहीं मांग सकता था।

19 मार्च 2026 को आएगा फिल्म 'धुरंधर' का अगला पार्ट

आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म पांच दिनों में ही 142 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। इस स्पाई-थ्रिलर फिल्म में रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म का अगला पार्ट 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

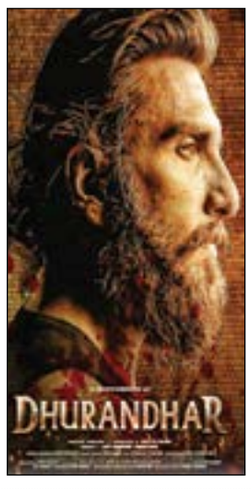

धनुष से सीखा कम बोलकर भी एक्ट में डूब जाना...

धनुष की फिल्म तेरे इश्क में चर्चा में है। इसमें मिर्जापुर फेम प्रियांशु पेन्युली भी हैं। उनसे हुई खास बातचीत...

तेरे इश्क में आनंद एल राय और धनुष के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह मेरे लिए आशीर्वाद जैसा था। दरअसल कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा की कंपनी से फोन आया कि राइटर हिमांशु शर्मा और डायरेक्टर आनंद एल राय आपसे मिलना चाहते हैं। जैसे ही उन्होंने कहा कि यह धनुष के साथ उनकी अगली फिल्म हो सकती है, मैंने कहा, अब इसमें सोचना क्या है? जब आपको आनंद सर, हिमांशु, प्रकाश राज सर और कृति सेनन जैसे एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो आप ज्यादा सोचते नहीं, बस भगवान को धन्यवाद कहते हैं। मैंने भी ऑफर मिलते ही वही किया। बाकी कृति कमाल की परफॉर्मर हैं।

आपके किरदार वेद को लेकर क्या कोई खास निर्देश दिए गए थे?

मेरे पहले दिन का सीन इलेक्शन वाले लड़कों के पीछे भागने का था। आनंद सर ने कहा...बाहरी तौर पर यह गुंडा दिखता है, पर अंदर से मासूम है। वेद और शंकर यूपीएससी का फुल फॉर्म नहीं जानते, लेकिन बनते हैं कि हम सबसे बेस्ट हैं।

धनुष की एक्टिंग टेक्निक में क्या खास लगा?

धनुष सर के साथ कुछ पता ही नहीं चलता। मुझे मुझे उनसे जो सीखने को मिला वह यह कि कम बोलकर भी कैसे एक्ट में डूब या छा जाया जाता है। हम दोनों ने एक ही हॉलीवुड प्रोड्यूसर के साथ काम किया है, तो उस पर भी काफी बातें हुई।

प्रकाश राज भी हैं इसमें। सीरियस टॉपिक पर बातें हुई?

प्रकाश सर बहुत मजेदार आदमी हैं। वह 5-6 भाषाएं जानते हैं। उनकी एनर्जी कमाल की थी। मैं उनसे सीखता था कि अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करने का क्या अंतर होता है।

फिल्म काफी इंटेंस है पर शूट के दौरान क्या माहौल रहता था?

कभी पता ही नहीं चलता था कि हम इतनी इंटेंस फिल्म शूट कर रहे हैं। यह सब हुआ आनंद सर के कैप्टन ऑफ द शिप बनने के कारण। वह पूरे क्रू को बेटा या बेटी कहकर बुलाते हैं। उनसे रहने से फैमिली वाली फीलिंग आई।

मिर्जापुर 3 सीरीज में रॉबिन के किरदार मरना कितना जरूरी था?

जब मैंने पहली बार सुना था तो मेकर्स से कहा...ये क्या बात हुई, क्यों मार दिया? अब तो सब सही चल रहा था। शादी हो गई है, यह अपना बिजनेस बंद कर रहा है, सुधर रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह ओवरऑल एक शॉक एलिमेंट था कि गुड्डू अपनी ही फैमिली को बर्बाद कर सकता है। जब हमने आखिरी सीन शूट किया, तब मैं समझा कि क्यों ऐसा हुआ। रॉबिन तो हमेशा ही अमर है। वह एक ऐसा कैरेक्टर है जो लोगों के दिलों में छा चुका है। रॉबिन पर एक अलग स्पिन-ऑफ बन सकता है।

निर्देशक गुरमीत से या किसी और से बात हुई कि फिल्म क्यों ला रहे हैं?

मुझे लगता है यह एक अच्छा प्रयास है। मिर्जापुर एक ऐसा शो है जिसमें हर किरदार की अपनी फैन फॉलोइंग है। सिनेमा में लाना शायद इसलिए हो सकता है कि लोग इन किरदारों को बड़े परदे पर देखना चाहें।

बीआईएस सूरत डीआईए के सहयोग से 17 दिसंबर को उद्योगों के लिए आयोजित करेगा जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) सूरत, दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (डीआईए) के सहयोग से 17 दिसंबर को सोमनाथ स्थित डीआईए हॉल में भारतीय मानक, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, सर्टिफिकेशन प्रक्रिया एवं अनुपालन पर उद्योगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करेगा। डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल ने दमण के उद्योगपतियों से इस कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए आ''ान किया है। डीआईए की ओर से बताया गया है कि इस जागरूकता कार्यक्रम में बीआईएस सूरत के अधिकारियों के उद्योगों को विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया जायेगा। इस कार्यक्रम के दौरान विभन्नि औद्योगिक उत्पादों पर लागू नवीनतम भारतीय मानक, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओएस), बीआईएस सर्टिफिकेशन प्रक्रिया, दस्तावेज़ीकरण और समय-सीमा, वैधानिक अनुपालन आवश्यकताएँ और गैर-अनुपालन के लिए दंड एवं उद्योग-विशिष्ट प्रश्नों पर बातचीत और स्पष्टीकरण पर मार्गदर्शन दिया जायेगा। यह जागरूकता कार्यक्रम उद्योगों को नियामक आवश्यकताओं को समझने, उत्पाद की गुणवत्ता सुनश्चिति करने और भारत सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पहल के तहत अनिवार्य मानकों का पालन करने में मदद करेगा। सभी उद्योगों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित तकनीकी/ गुणवत्ता/ अनुपालन अधिकारियों को इस सत्र में भाग लेने के लिए भेजें और बीआईएस अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए विशेषज्ञ मार्गदर्शन का अधिकतम लाभ उठाएं। यह कार्यक्रम 17 दिसंबर 2025 को दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा।

दमणवाडा ग्राम पंचायत की सरपंच कल्पना हलपति की अध्यक्षता में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमणवाडा अंग्रेजी माध्यम में हुआ मां-बेटी मेला कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। दमणवाडा के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में मां-बेटी मेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दमणवाडा ग्राम पंचायत की सरपंच कल्पना हलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मां-बेटी मेला कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने फूड स्टॉल के माध्यम से विभिन्न व्यंजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर दमणवाडा ग्राम पंचायत की सरपंच कल्पना हलपति ने बेटियों को पढ-लिखकर आगे बढने और उन्हें सशक्त बनने के लिए उनका मार्गदर्शन किया। साथ ही उपस्थित माताओं को बच्चियों को अनिवार्य रूप से शिक्षा दिलाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में छात्राओं के साथ बडी संख्या में उनकी माताएं भी उपस्थित रही। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल एवं शिक्षकों की मौजूदगी रही।

सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को मंजूरी देने के लिए वरकुंड ग्राम पंचायत में हुई ग्रामसभा

■ दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, वरकुंड ग्राम पंचायत सरपंच डॉ. विजय पटेल, जिला पंचायत सदस्य सुनीता हलपति, बीडीओ मीहिर जोशी, पंचायत सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामजनों की रही उपस्थिति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को मंजूरी देने के लिए वरकुंड ग्राम पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, वरकुंड ग्राम पंचायत सरपंच डॉ. विजय पटेल, जिला पंचायत सदस्य सुनीता हलपति, बीडीओ मीहिर जोशी, पंचायत सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामजनों की उपस्थिति रही। इस ग्रामसभा के दौरान ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को लेकर चर्चा-विचारणा की गई। इस अवसर पर दमण प्रशासन के विभिन्न विभागों से आये हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपने विचार रखे।

दमण कोर्ट परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 213 मामलों का हुआ निपटारा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के समन्वय से दमण कोर्ट परिसर में 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया था। जिसमें कुल 1597 मामले सुनवाई के लिए रखे गये थे, जिसमें से 213 मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत ने प्री-लिटिगेशन के 1370 मामले सुनवाई के लिए रखे गये थे। जिसमें से 209 मामलों का निपटारा किया गया और 4509995 रूपये का सेटलमेंट किया गया। जबकि पेंडिंग ट्रायल के 227 मामले सुनवाई के लिए रखे गये थे, इसमें से 4 मामलों का निपटारा किया गया और 558951 रूपये का सेटलमेंट किया गया। इस तरह दमण कोर्ट परिसर में आयोजित लोक अदालत में सुनवाई के लिए रखे गये कुल 1597 मामलों में से 213 मामलों का निदान किया गया और 5068946 रूपये का सेटलमेंट किया गया। उल्लेखनीय है कि लोक अदालत में लंबित और मुकदमे से पूर्व के मामले जैसे बैंक वसूली मामले, वाहन चालान, आपराधिक समझौता योग्य मामले, एमसीएटी, वैवाहिक विवाद, पंचायत कर वसूली, एन.आई. एक्ट के मामले और अन्य दीवानी मामले सुनवाई के लिए रखे जाते है। इस दौरान वादी एवं प्रतिवादी के बीच सामंजस्य बिठाकर मामले का आपसी सुलह के तहत निदान किया जाता है। जिससे लोगों के पैसे और समय दोनों की बचत होती है।

दमण में 19 दिसंबर को वय वंदना कार्ड शिविर का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। दमण में 19 दिसंबर को वय वंदना कार्ड शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में डीएमसी काउंसिलर अस्पी दमणिया ने जानकारी देते हुए बताया है कि विशेष टावर, भूतल प्रभु फलिया में 19 दिसंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक वय वंदना कार्ड शिविर का आयोजन किया जायेगा। दमण के 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वे निवासी जिनके पास दमण में पंजीकृत पत वाला आधार कार्ड है वे इस शिविर में भाग ले सकते हैं। वय वंदना कार्ड शिविर में हिस्सा लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज के तौर पर दमण के पते वाला आधार कार्ड और एक समय पासवर्ड (ओटीपी) सत्यापन के लिए आधार कार्ड से सक्रिय रुप से जुडा मोबाइल नंबर होना जरुरी है। यह पहल मोदी सरकार का एक कायक्रम है, इसमें भाग लने के लिए कोई शुल्क नहीं है इस शिविर का लाभ उठाने के लिए सभी पात्र लोगों से अनुरोध किया गया है।

सिविल जज अमित कोकाटे की अध्यक्षता में दीव में राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 14 दिसंबर। दीव कोर्ट परिसर में सिविल जज अमित कोकाटे की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीव और एडवोकेट बार एसोसिएशन दीव के समन्वय से दीव कोर्ट परिसर में 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कई मामलों का निपटारा किया गया। जिसमें क्रिमिनल के 17 मामले सुनवाई के लिए रखे गये थे, जिसमें से 12 मामलों का निपटारा किया गया। वहीं सिविल केस के 7 मामले सुनवाई के लिए रखे गये थे। जिसमें से 2 मामलों का निपटारा किया गया। जबकि प्रि-लिटिगेशन के 3 मामले सुनवाई के लिए रखे गये थे, लेकिन पक्षकारों के उपस्थित नहीं होने के चलते किसी भी मामले का निपटारा नहीं हो पाया। इस लोक अदालत में दीव एडवोकेट बार एसो. के प्रमुख सुरेश चुडासमा एवं वकीलों की उपस्थिति रही।

SAI BUILDERS KANPUR

Required following staff for Integrated Infrastructure Project Under Silvassa Smart City Limited Construction of CC Roads

S.No	Designation	Minimum No of required Staffs	Minimum Experience
1	Design Director	1	M.tech with 10 years experience
2	Project Manager	1	10 year Graduate/B.E or 12 years for Diploma
3.	Deputy Project Manager Civil	1	8 Year Graduate/B.E or 10 years for Diploma
4	Deputy Project Manager (E/M)	1	8 Year Graduate/B.E or 10 years for Diploma
5.	Project Engineer	3	5 Year Graduate/B.E or 7 years for Diploma
6.	Site Engineer (Civil)	4	3 Year BE or 5 years for Diploma
7.	Site Engineer (electrical)	1	3 Year BE or 5 years for Diploma
8.	Site Engineer (Mechanical)	1	3 Year BE or 5 years for Diploma
9.	Billing Engineer	2	5 Year BE or 7 Year Diploma
10.	Surveyor	2	5 Year BE or 7 Year Diploma
11.	Quality Engineer for Site	2	5 Year BE or 7 Year Diploma
12.	Quality Engineer for Lab at site	3	5 Year BE or 7 Year Diploma
13.	CAD Operator Having proficient knowledge of Highway Software	1	5 Year BE or 7 Year Diploma

Interested candidates can contact on the following details-

- **Anil Kumar Singh (Sai Builders) 9452818340**

Note: Preference to local candidates

પ્રથમ પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. ઊર્મિલાબેન ઈશ્વરભાઈ નાયક

સ્વ. તા. ૧૫/૧૨/૨૦૨૪

આપ વિનાનું વીતેલું એક વર્ષ, અમોને તમારા ઉમદા વ્યક્તિત્વ, સહનશીલતા, સ્વાવલંબી, પારિવારિક ભાવના, ઉદાર વ્યક્તિત્વ અને તમારી આગતા-સ્વાગતા ની જે અજોડ ભાવના હતી, એની યાદ અમારા માટે કાયમની મૂકી ગયા. આપનો હંમેશા સ્મિતભર્યો ચહેરો અને પ્રેમ ભર્યો વ્યવહાર અમારા માટે કાયમની યાદ બનીને રહી ગયો. પ્રભુ આપના દિવ્ય આત્માને શાંતિ આપે એવી પ્રભુ પ્રાર્થના.

લિ.

હેમંત આઈ. નાયક, અનિરુધ્ધ એચ. નાયક

મનોજ આઈ. નાયક, દિપીકા એમ. નાયક

ડૉ. બીનલ એમ. નાયક, બિન્ની એમ. નાયક (USA)

નિવાસસ્થાનઃ જગનવિલા, નારાયણ પાર્ક, દેવકા રોડ, નાની દમણ.

लक्मी क्रिकेट ग्राउंड पर अंडर-16 का खेला गया फाइनल मुकाबला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 दिसंबर। संघ प्रदेश दानह एवं दमण-दीव क्रिकेट एसो. द्वारा अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। जेक क्रिकेट एकेडमी कनाडा और स्ट्राइकर क्रिकेट एकेडमी दमण के बीच 11 दिसंबर को लक्मी क्रिकेट ग्राउंड पर अंडर-16 का 35 -35 ओवर का मैच खेला गया। स्ट्राइकर क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 265 रन बनाए। जिसमें स्ट्राइकर एकेडमी की ओर से रोनक ने शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत की नींव रख दी थी और मैन ऑफ द मैच के हकदार बने। पूरे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के चलते मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दर्शिल ने अपने नाम कर लिया। बेस्ट बोलर के रूप में मान्य ने 4 विकेट लेकर बेस्ट बोलर की ट्रॉफी के हकदार बने। जेक क्रिकेट एकेडमी 151 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह स्ट्राइकर क्रिकेट एकेडमी ने यह मुकाबला 114 रनों जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस टूर्नामेंट में दमण-दीव और दादरा नगर हवेली की 9 टीमों ने हिस्सा लिया था। डीडीसीए के सेक्रेटरी उमेश भंडारी ने खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान किया और टूर्नामेंट को सफल बनाने में योगदान देने वाले खिलाडियों एवं टीमों के कोचों का आभार व्यक्त किया।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)